छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 298 ■ अम्बिकापुर, रविवार 23 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

रायपुर एनआईटी-चौपाटी शिफ्ट10 करोड़ की 60-70 दुकानें टूटीं-कांग्रेसियों को घसीटते ले गई पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान के पास बनाई गई एनआईटी चौपाटी शिफ्ट हो गई है। 10 करोड़ की लागत से बनीं 60-70 दुकानें जेसीबी से तोड़ दी गई हैं। वहीं विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और कांग्रेसियों को घसीटते हुए पुलिस उठाकर ले गई।

विकास उपाध्याय व्यापारियों के साथ कल रात 11 बजे से धरने पर बैठे थे। चौपाटी को आमानाका शिफ्ट किए जानने पर विवाद बढ़ गया। कांग्रेसियों और पुलिसकर्मियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। इस दौरान विकास उपाध्याय ने कहा कि अनपढ़ विधायक को नहीं पता स्टूडेंट्स को क्या चाहिए।

वहीं डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस अपनी राजनीति के बारे में विचार करे। कांग्रेस किस दिशा में जाना चाहती है, किस विषय में क्या सोचती है। सत्ता में रहते हैं तो अलग बात और विपक्ष में रहते हैं तो अलग बात करते हैं। कांग्रेस का दोहरा चरित्र रहता है।

दरअसल, रायपुर की एनआईटी चौपाटी को आज आमानाका शिफ्ट किया गया है, लेकिन शिफ्टिंग से पहले ही विवाद बढ़ गया। इसके विरोध में कल रात से ही व्यापारी, कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय समेत अन्य नेता धरने पर बैठे थे। इसी बीच 22 नवंबर की सुबह निगम की टीम चौपाटी हटाने पहुंची। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेता जेसीबी के सामने लेट गए। जेसीबी पर चढ़कर विरोध जताया। इस दौरान पुलिस और नेताओं के बीच झूमा-झटकी भी हुई। इस दौरान नेताओं और व्यापारियों को पुलिस ने बलपूर्वक हटाया गया। वहीं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को पुलिस घसीटते हुए उठाकर ले गई। सभी को सेंट्रल जेल ले जाया गया है। व्यापारियों का कहना है कि एक दिन पहले यानी 21 नवंबर को नगर निगम की टीम चौपाटी पहुंची थी। दुकानदारों को शिफ्टिंग की सूचना दी थी। इस दौरान व्यापारियों ने मौके पर ही आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि उन्हें पहले से कोई नोटिस नहीं मिला। व्यापारियों का आरोप है कि बिना बातचीत के किए, बिना तैयारी और बिना विकल्प दिए दुकानों को हटाने से उनका कारोबार ठप हो गया है। बिना तैयारी के अचानक आमानाका भेजने को कहा जा रहा है। ऐसे में उनके सामने परेशानी खड़ी हो गई है। इस बीच, कल रात से हड़ताल पर बैठे पूर्व MLA विकास उपाध्याय ने कहा कि 10 करोड़ का कंस्ट्रक्शन गिरा दिया गया। यहां के MLA अनपढ़ हैं और उन्हें नहीं पता कि स्टूडेंट्स को क्या चाहिए। वहां 60-70 दुकानें थीं, जिन्हें गिरा दिया गया। विकास उपाध्याय ने कहा कि हमारे साथी घायल हुए, लेकिन हम डटे रहे। हमने BJP नेता के सामने हाथ भी जोड़े, लेकिन जिद्दी MLA ने सुनने से मना कर दिया। रायपुर में लगभग 10 करोड़ रुपए खर्च करके चौपाटी का विकास किया गया था, जिसका पूर्व विधायक राजेश मूणत ने कड़ा विरोध किया था। 2023 में भाजपा सरकार आने के बाद चौपाटी को हटाने और उस स्थान पर नालंदा-2 बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू हुआ।

नवंबर 2025 में नगरीय प्रशासन ने नालंदा-2 के लिए टेंडर पूरे होने की जानकारी दी और 15 नवंबर से चौपाटी शिफ्टिंग की तारीख घोषित की, लेकिन इससे पहले ही रेलवे ने 32 दुकानदारों को नोटिस भेजकर इस जमीन पर अपना दावा जता दिया। विवाद के बाद नगर निगम और रेलवे के बीच बातचीत का दौर जारी है, ताकि जल्द ही इस मसले का हल निकाला जा सके।

एसआईआर की प्रक्रिया में ओटीपी की जरुरत नहीं, साइबर अपराधियों से रहें सावधान

सरगुजा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा-ठगों के फोन कॉल से बचें, झांसे में न आएं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर गणना प्रपत्र भरवाए जा रहे हैं। इस पर भी साइबर ठगों की नजर है। ठग लोगों को एसआईआर का एपीके फाइल भेज रहे हैं और फोन करके ओटीपी मांग रहे हैं। अगर इनके झांसे में आ गए तो ठगी का शिकार बनने से कोई नहीं बचा सकता है। इसे देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि ऐसे झांसे में आकर किसी को भी ओटीपी न बताएं, धैर्यपूर्वक बीएलओ के माध्यम से गणना प्रपत्र जमा करें। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने भी एसआईआर की चल रही प्रक्रिया के बीच आम लोगों से साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। हाल ही में कई राज्यों में ओटीपी से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायतें सामने आने के बाद अलर्ट जारी किया गया है। ठगी के तरीके को इंगित कराते हुए सरगुजा पुलिस ने लोगों को आगाह कराया है कि फॉर्म भरते समय मोबाइल नंबर देना

सुरक्षित प्रक्रिया है। कुछ तत्व मोबाइल नंबर का दुरुपयोग करने की कोशिश कर सकते हैं। विशेष रूप से ओटीपी फ्रॉड के मामले बढ़ने की आशंका को देखते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी स्थिति में अपने मोबाइल पर आने वाले ओटीपी को किसी अनजान व्यक्ति को देने से बचना होगा, नहीं तो ठगी का शिकार हो सकते हैं।

बता दें कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से एसआईआर फॉर्म भरने के दौरान किसी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है और न ही निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ के द्वारा संबंधित से किसी प्रकार का ओटीपी मांगा जाता है। यदि कोई व्यक्ति कॉल करके यह दावा करे कि एसआईआर फॉर्म से जुड़ा ओटीपी साझा करना आवश्यक है, तो उसे न सिर्फ नकार दें बल्कि तुरंत ऐसे लोगों से संपर्क समाप्त कर दें। इसके बाद भी यदि कोई संदिग्ध ओटीपी के लिए दबाव बनाता है या किसी तरह की धमकी देता है, तो तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि पुलिस ऐसे लोगों की खबर ले सके। साइबर ठगों के द्वारा अक्सर अधिकारिक प्रक्रिया का नाम लेकर बातचीत की जाती है। इसे देखते हुए निर्वाचन आयोग के द्वारा भी सलाह दी गई है कि ऐसे मामलों में झंझावात की स्थिति बनने पर सीधे अपने बीएलओ या निर्वाचन कार्यालय से संपर्क करके इसकी पुष्टि करें, इसके बाद ही कोई कदम उठाएं। पिछले कुछ समय में कई राज्यों की पुलिस ने भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी को लेकर अलर्ट जारी किया है। एसआईआर फॉर्म अपडेट या मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाओं को ढाल बनाकर लोगों से ओटीपी लेने की कोशिश संबंधित व्यक्ति के मोबाइल नंबर से जुड़े डिजिटल खातों तक अनाधिकृत पहुंच बनाने के प्रयास का साजिशपूर्ण हिस्सा है।

धान बिक्री में लगे किसानों को भी किया सचेत

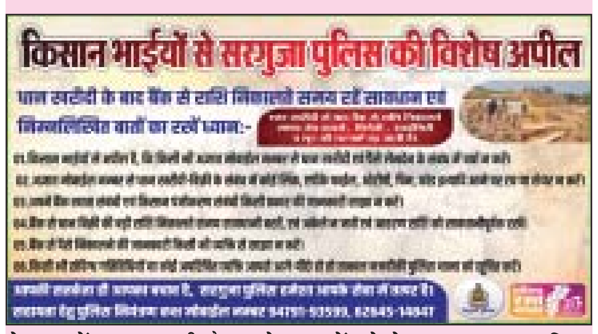

देशभर में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखकर सरगुजा पुलिस ने किसानों से भी धान खरीदी के बाद बैंक से राशि निकालते समय सावधान रहने का आग्रह किया है। कहा गया है कि बैंक से रकम की प्राप्ति के बाद जेबकतरों, छिनैती, उठाईगिरी व लूटपाट करने वालों से बचने की जरूरत है। आगाह कराया गया है कि किसी भी अज्ञात मोबाइल नम्बर से धान खरीदी एवं पैसे के लेनदेन से संबंधित किसी प्रकार की चर्चा न करें। अज्ञात मोबाइल नम्बर से धान खरीदी के संबंध में कोई लिंक, एपीके फाइल, ओटीपी, पिन कोड प्राप्त होने पर टच या शेयर न करें। अपने बैंक खाता संबंधी एवं किसान पंजीकरण संबंधी किसी प्रकार की जानकारी साझा न करें। बैंक से धान बिक्री की बड़ी राशि निकालते समय सावधानी बरतें, अकेले न जाएं और आहरित राशि को सावधानी पूर्वक रखें। बैंक से रकम निकालने की जानकारी घर पहुंचते तक किसी से साझा न करें। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आने या अपरिचित आगे-पीछे हो तो नजदीकी पुलिस थाना को सूचित करें, ताकि तत्काल मदद मिल सके। सहायता के लिए सरगुजा पुलिस की ओर से पुलिस नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नम्बर 94791 93599 या 62645 14887 में संपर्क करने के लिए कहा गया है।

एसआईआर को लेकर प्रशासन द्वारा जारी आंकड़े धरातल पर यथार्थ से मेल नहीं खा रहे

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में पूर्व उपमुख्यमंत्री ने की जिला स्तरीय समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत स्थित दसों सांगठनिक ब्लॉक के अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के साथ ही साथ एसआईआर के लिए नियुक्त लोकसभा, विधानसभा, ब्लॉक के प्रभारी एवं सहप्रभारी मौजूद थे। समीक्षा बैठक में बूथवार आंकलन से स्पष्ट हुआ कि एसआईआर को लेकर प्रशासन के द्वारा जारी किए गए आंकड़े धरातल पर मौजूद यथार्थ से मेल नहीं खा रहे हैं। प्रशासन के द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों के अनुसार लगभग शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण मतदाताओं तक हो चुका है। यथार्थ में बीएलओ मतदाताओं तक जा ही नहीं रहे हैं। क्षेत्रवार लगभग 40 से 55 प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में धान कटाई में ग्रामीणों के व्यस्त रहने के कारण एसआईआर के दैनिक कार्यावधि को बढ़ाने की बात सामने आई है। बैठक में मौजूद पार्टी के कई बूथ लेवल एजेंट ने बीएलओ के द्वारा असहयोग और दुर्व्यवहार की जानकारी दी है। यह भी सामने आया है कि

कई स्थानों पर बीएलओ गणना प्रपत्रों का वितरण खुद न करके एक विशेष राजनीतिक दल के पदाधिकारियों और इस दल से संबंध रखने वाले पंच और पार्षदों के माध्यम से कर रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने ऐसी स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए निर्देश दिया कि ऐसी गतिविधियों वाले बीएलओ के विरुद्ध संबंधित ईआरओ को तत्काल लिखित शिकायत की जाए। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्रों के वितरण और उन्हें भरवाकर इकट्ठा करने के लिए मात्र 12 दिन का समय शेष है। ऐसे में प्रशासन को चाहिए कि बीएलओ को अतिरिक्त मानवीय सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी को निर्देश दिया है कि इन मुद्दों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवेदन दिया जाए जिससे मतदाताओं की परेशानी कम हो।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रभारियों की नियुक्ति की

7 फरवरी 2026 तक चलने वाले एसआईआर की प्रक्रिया के समन्वय को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लोकसभा, विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति की है। सरगुजा लोकसभा के लिए निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद प्रभारी होंगे। अंबिकापुर विधानसभा के लिए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, सीतापुर विधानसभा के लिए पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत और लुण्ड्रा विधानसभा के लिए सोमेश्वर सिंह प्रभारी नियुक्त हुए हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में अंबिकापुर शहर के लिए डॉ. अजय तिर्की, दरिमा के लिए राकेश गुप्ता, अंबिकापुर ग्रामीण के लिए विनीत विशाल जायसवाल, लखनपुर के लिए विक्रमादित्य सिंहदेव, उदयपुर के लिए सिद्धार्थ सिंह, लुण्ड्रा के लिए मधु सिंह, धौरपुर के लिए मुनेश्वर राजवाड़े, सीतापुर डॉ. लालचंद यादव, मैनपाट मो. इस्लामुद्दीन और बतौली में संजीव मंदिलवार की नियुक्ति बतौर प्रभारी हुई है। प्रत्येक ब्लॉक में 2 से 3 सह प्रभारियों की भी नियुक्ति हुई है।

किसान हित में सहकारी समिति प्रबंधक व कंप्यूटर ऑपरेटर लौटे काम पर

एस्मा के तहत एफआइआर, निलंबन और बर्खास्तगी को शून्य करने की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित कर दिया है। अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर वे 3 नवंबर से हड़ताल पर थे। हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि किसान हित, लोक हित व सोसायटी हित में हमने ये फैसला लिया है। इनके द्वारा एस्मा के तहत किए गए एफआइआर, निलंबन, बर्खास्तगी व स्थानांतरण की कार्रवाई को शून्य करने की मांग शासन से की है। बता दें कि सरगुजा जिले के 54 धान खरीदी केंद्रों में 54 समिति प्रबंधक व 54 ऑपरेटर हैं, जो अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। जिले में इस वर्ष 55,937 पंजीकृत किसान और लगभग 58,219 हेक्टेयर में धान का रकबा है। इसके लिए 54 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए गए हैं। धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने के बाद भी ये काम पर नहीं लौटे, ऐसे में शासन और प्रशासन ने इन्हें चेतावनी देने के लिए एस्मा के तहत कार्रवाई शुरू की और समिति प्रबंधकों के खिलाफ एफआइआर, निलंबन, बर्खास्तगी व कंप्यूटर ऑपरेटरों के स्थानांतरण की प्रक्रिया की जाने लगी। इसके बाद भी ये टस से मस नहीं हुए। इनका कहना था कि धान की खरीदी के बाद, कम मात्रा में धान मिलने पर उन पर जिम्मेदारी डाली जाती है। मेहनत के हिसाब से उचित वेतन उन्हें नहीं मिलता है। ऐसी ही चार

सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहा। इन कर्मचारियों के हड़ताल को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था कर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से शुरू करा दिया गया, लेकिन ये कर्मचारी धान खरीदी से संबंधित प्रशिक्षित नहीं थे, जिस कारण समितियों में आने वाले किसानों को कई प्रकार की परेशानी हो रही थी। कई खरीदी केन्द्रों पर ठीक ढंग से खरीदी का कार्य नहीं हो पा रहा था। इधर शासन की ओर से हड़ताली कर्मचारियों से काम पर लौटने कहा गया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। माना जा रहा है कि शासन स्तर से हो रही कार्रवाई को देखते हुए सहकारी समिति कर्मचारी संघ भी दबाव में आया, वहीं शासन स्तर से उनकी मांगों पर पहल का आश्वासन मिला है। इस पर संघ ने संयुक्त रूप से आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया। इनके द्वारा एस्मा के तहत की गई कार्रवाई को शून्य करने की मांग की गई है। कर्मचारियों की कार्यस्थल में वापसी के बाद सोमवार से धान खरीदी की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना बढ़ गई है।

पतंजलि योग समिति ने जीवन प्रबंधन व राष्ट्र आराधना कार्यक्रम का किया आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में 22 नवम्बर को दिन में 9 से 10 बजे तक योग विज्ञान के माध्यम से जीवन प्रबंधन व राष्ट्र आराधना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अध्ययनरत छात्र छात्राओं को यौगिग जागिंग के बारह अभ्यास, सूर्य नमस्कार, भस्त्रिका प्राणायाम, कपाल भांति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भ्रामरी उदगीत प्राणायाम, प्रणव प्राणायाम कराया गया, इससे होने वाले लाभों के संबंध विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। योग हमारे देश के ऋषि मुनियों की धरोहर है। वर्तमान में युवक-युवतियों को विशेष रूप से अपनाने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को ज्ञान, भक्ति, कर्म को आत्मसात करने की नितांत आवश्यकता है, तभी वे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, अच्छा खिलाड़ी, प्रोफेसर, विधायक, मंत्री बनने में बहुत सहायक होता है। योग से मानव जीवन उत्साह और उत्सव में परिवर्तित हो जाता है। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी कमलेश योगी, योग शिक्षक मंगलेश श्रीवास्तव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर से संतोषी सिंह, रेणुका सिंह, प्रियंका दुबे, स्नेहा तिवारी, बृजेश कुमार, राजेश कुमार सिंह, नधीरन राम, कृष्णा प्रसाद, अखिलेश कुमार साहू, नीलम द्विवेदी, विमला तिर्की, पूजा टंडन सहित अन्य उपस्थित थे।

सब इंजीनियर के घर से 50 हजार नकद व मोबाइल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जल संसाधन विभाग में सब इंजीनियर के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 50 हजार रुपये नकद, बैंक पासबुक और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ में पदस्थ, ग्राम बचवार स्कूलपारा निवासी सब इंजीनियर जयप्रकाश पैकरा ने शंकरगढ़ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उनका पूरा परिवार अपने पुराने घर इंदाकोना गया है। 21 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति के द्वारा घर का ताला तोड़कर अलमारी से 50 हजार रुपये नकद, बैंक का पासबुक और एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया। ड्यूटी से शाम को करीब 5 बजे घर वापस आए तो उन्होंने देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। आसपास के लोगों को इसकी जानकारी देने के बाद उन्होंने चोरों के संबंध में सुराग लगाने की कोशिश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस मामले में केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव, जिला मिशन समन्वयक श्री चन्द्रभूषण प्रसाद और ए.पी.सी. श्री विनोद कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिला ग्रंथालय भवन में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिले के 06 विकासखण्डों में गृह-आधारित शिक्षा प्राप्त कर रहे दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया था। मास्टर ट्रेनरों ने पालकों को दिव्यांग बच्चों के दैनिक जीवन-कौशल, आवश्यकतानुसार थेरेपी, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया, उपलब्ध एलाउंसेज, प्रदान किए गए उपकरणों के रखरखाव तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान पालकों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रश्न-उत्तर सत्र में अपनी-अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ करने और दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास में सहयोग प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का कलेक्टर ने लिया जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड बलरामपुर के ग्राम जाबर, पचावल तथा विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत भवरमाल पहुंचकर एसआईआर प्रक्रिया की प्रगति का अवलोकन किया और संबंधित बीएलओ तथा निहित अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी बूथ लेवल ऑफिसर सत्यापन कार्य को अत्यंत गंभीरता से एवं निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में गलत प्रविष्टि स्वीकार्य नहीं होगी। यदि किसी बिंदु पर संदेह हो, तो तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि 4 दिसम्बर तक सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है।

शुद्धता पूर्ण कार्य करने दिए निर्देश

कलेक्टर श्री कटारा ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से सुबह-शाम मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शत-प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी बीएलओ को पात्र मतदाताओं के गणना पत्रक सावधानीपूर्वक भरने और सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। संकलन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु उन्होंने वॉलंटियर्स बनाने, जिनमें पंचायत सचिव और शिक्षित युवाओं को शामिल करने, तथा संकलित फार्मों के डिजिटाइजेशन में गति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि अंतिम तिथि 4 दिसंबर से पूर्व अपना गणना फार्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरकर जल्द से जल्द संबंधित बीएलओ के पास जमा करें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बलरामपुर श्री अभिषेक गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामचंद्रपुर श्री आनंद राम नेताम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस जयनगर मंडल की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। जयनगर-कुंजनगर कांग्रेस मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को पूर्व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े की उपस्थिति में आयोजित की गई। मतदाता सूची के सत?यापन अभियान को लेकर यह बैठक की गई थी। बैठक में एसआईआर को लेकर पार्टी के बीएलओ की कार्यप्रणाली, जिम्मेदारियां और अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान मंडल के सभी बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समझाया गया कि मतदाता सूची सुधार का यह अभियान संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे पूरी गंभीरता के साथ संपन्न किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने उपस्थित पार्टी के बीएलओ से कहा कि मतदाता सूची सुधार अभियान में किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। यदि किसी भी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से सूची में दर्ज पाया जाता है तो उसे तुरंत हटवाने की पहल की जाए। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में बीएलओ की भूमिका सबसे

प्रमुख है, इसलिए समय सीमा और तथ्यात्मक शुद्धता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल एक औपचारिक कार्य नहीं, बल्कि जनता के मतदान अधिकार को संरक्षित करने की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। बीएलओ को घर-घर जाकर सूची की पुष्टि करनी है और हर पात्र व्यक्ति को सूची में शामिल कराना ही संगठन की प्राथमिकता है। बैठक में मंडल स्तर पर संगठन को सुदृढ़ बनाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों की रणनीति पर भी चर्चा की गई। बैठक में राजू सिंह, पवन अग्रवाल पोन्नी, भोजराज राजवाड़े, रामचंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष रूपनारायण राजवाड़े, पूर्व नगर पंचायत बिश्रामपुर अध्यक्ष आशीष यादव, मो. शमीम पलिहा, वेद प्रकाश मिश्र, नीरज सिंह, विनय सिंह, अनिल राजवाड़े, मो. इकबाल सोनू, डॉ. फिरोज, शाहरुख, आलम, अशोक महंत, मोतीलाल महंत, सुनीता खाखा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूर्व विधायक ने बीएलओ और पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन के इस अभियान को सफल बनाएं, ताकि जयनगर-कुंजनगर मंडल चुनावी तैयारी में किसी भी स्तर पर पीछे न रहे।

धान उपार्जन केंद्र स्याही में खरीदी प्रक्रिया का शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र स्याही में आज धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर मौके पर जनप्रतिनिधियों, अपर कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय एवं अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर श्री नीरनिधी नंदेहा मौजूद रहे। साथ ही स्थानीय ग्रामीणजन बड़ी संख्या में केंद्र में मौजूद रहे और धान खरीदी की

प्रक्रिया को नजदीक से देखा। शुभारंभ के बाद अपर कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आर्द्रता मापी यंत्र से धान की नमी की जांच प्रक्रिया को भी देखा। अपर कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्र में खरीदी कार्य को पूर्णतः पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित धान खरीदी प्रभारी को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ रखने, किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नही होने तथा समय पर खरीदी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि निर्धारित मानकों के अनुसार धान खरीदी करें। उल्लेखनीय है कि धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों द्वारा खरीदी केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीदी कार्य निर्बाध जारी रहे।

शीतलहर व ठंड से बचाव हेतु दिशा-निर्देश जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में ठण्ड के मौसम को देखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है जारी दिशा-निर्देशों में शीतलहर से बचाव के लिए घर के अंदर रहने एवं यात्रा से बचने की सलाह दिया गया है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत सिंह ने बताया कि आमजनों को ठंड से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। इसके साथ ही गर्म तरल पदार्थों का लगातार सेवन करने, यदि कंपकंपी हो रही हो, उंगलियों में सफेद या पीलापन दिख रहा हो, सुन्नता महसूस हो तो चिकित्सक से संपर्क करने के लिए कहा गया है। सीएमएचओ डॉ. सिंह ने कहा है कि बच्चों एवं बुजुर्गों को इस मौसम में विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वयं को गर्म रखें एवं ताजा भोजन एवं फल, सब्जियों का भी का सेवन करें। उन्होंने बताया कि कुछ लोग

ठंड से बचने के लिए कोयला जलाकर आग सेंकते हैं, परन्तु कोयला जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस उत्पन्न होती है जो बहुत जहरीली होती है, इसलिए बंद कमरे में कभी कोयला न जलाएं। हाइपोथर्मिया की स्थिति में व्यक्ति को गर्म स्थान पर लेटाएं और उसके शरीर को कंबल, गर्म कपड़े से ढ़ंक दें, जिससे उसके शरीर का तापमान बढ़ेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि अगर मांसपेशियों में अकड़न हो तो डॉक्टर से अवश्य सलाह लें। लापरवाही करने पर हाइपोथर्मिया जैसी स्थिति हो सकती है, जिसमें शरीर के तापमान में कमी, कंपकंपी, बोलने में कठिनाई, नींद न आना, मांसपेशियों में अकड़न, भारी सांस लेना जैसे लक्षण हो सकते हैं। कुछ मामलों में कमजोरी या व्यक्ति अचेत भी हो सकता है, ऐसी स्थिति में तत्काल डॉक्टर से परामर्श कर उपचार करवायें।

कुम्दा साइडिंग में कोयला नमूना गुणवत्ता को लेकर हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा अंतर्गत शनिवार को कुम्दा साइडिंग स्थित कोयला नमूना तैयारी कक्ष में आयोजित बैठक में विशेषज्ञों, तकनीकी अधिकारियों और फील्ड स्टाफ ने एक साथ बैठकर कई बिंदुओं पर मंथन किया। यहां पर क्षेत्रीय गुणवत्ता प्रबंधक अमरेंद्र नारायण सिंह के अलावा सैंपल सहायक, सैंपल सुपरवाइज़र और तकनीकी निरीक्षकों की मौजूदगी में बैठक हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आधुनिक खदान प्रबंधन में कोयला गुणवत्ता ही वह आधार है, जो कंपनी की छवि, मूल्य और उपभोक्ता विश्वास को सुनिश्चित करता है। सैंपलिंग प्रक्रिया में की गई एक छोटी सी त्रुटि भी करोड़ों के उत्पादन और ग्रेडिंग को प्रभावित कर सकती है। बैठक में सैंपल तैयार करने की वैज्ञानिक विधियों को विस्तार से समझाया गया। अधिकारियों ने बताया कि नमूना लेते समय किसी भी प्रकार की बाहरी वस्तु, नमी या अवांछित कणों

के मिश्रण से बचना अनिवार्य है। कोयले के अलग-अलग स्तरों से सैंपल लेने की तकनीक, उसे समान रूप से मिलाने की प्रक्रिया और सटीक नाप-तौल का महत्व कर्मचारियों को प्रायोगिक उदाहरणों के साथ समझाया गया।

नमूना कक्ष में इस्तेमाल किए जाने वाले यंत्रों की सफाई, मानक माप उपकरणों की जांच और सैंपलिंग के दौरान सुरक्षा उपायों को अनिवार्य रूप से लागू करने पर जोर दिया गया। गुणवत्ता सुधार अभियान को मजबूती देने के लिए तकनीकी निरीक्षकों ने कर्मचारियों को विस्तृत सूची भी बताई। यहां पर बताया गया कि सैंपलिंग के दौरान जल्दबाजी या अनदेखी से बचें। किसी भी चरण में मानक प्रक्रियाओं से विचलन न हो। तैयार नमूने को सुरक्षित, सूखे और सील बंद तरीके से ही भेजा जाए। किसी भी संदेहजनक स्थिति में वरिष्ठ अधिकारी को तुरंत सूचना दी जाए।

सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 61 बालिकाओं को सायकल का वितरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरस्वती सायकल योजना के तहत शासन द्वारा बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने तथा विद्यालय तक पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से निःशुल्क सायकल प्रदान की जाती है। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय जरहाडीह में सरस्वती सायकल योजना के तहत 61 बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने साइकिल वितरण करते हुए बालिकाओं को शुभकामनाएं दी। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्रीमती बबली संबल, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अभिभावक, प्राचार्य श्री राजेन्द्र सिंह, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

करंजी रेलवे साइडिंग में खड़े ट्रेलर में लटका मिला युवक का शव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। करंजी रेलवे साइडिंग में एक युवक का पिछले सप्ताह भर से खराब स्थिति में खड़े ट्रेलर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका शव मिलने से क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई है।

गौरतलब है कि करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत झुमरपारा से करंजी स्टेशन मार्ग पर स्थित साइडिंग के समीप मृतक 22 वर्षीय सावन कुमार सोनवानी पिता रामलाल सोनवानी निवासी चिरमिरी हल्दीबाड़ी का शव शनिवार को करंजी रेलवे साइडिंग में खड़े ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 15 डीपी 3499 में फांसी पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला है। करंजी पुलिस ने बताया कि युवक गत दिनों अपने ससुराल ग्राम पंचायत दतिमा में रिश्तेदार के यहां चन्दनपान कार्यक्रम में शामिल होने आया था। शनिवार की

सुबह चार बजे शौच के लिए अपने पत्नी को बताकर बाहर निकला था। जिसका आज सुबह शव मिला है। सूचना पर करंजी पुलिस व फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंच शव पंचनामा किया। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। चौकी प्रभारी संतोष सिंह का कहना है कि प्राथमिक जांच में यह प्रतीत होता है कि युवक मानसिक तनाव या व्यक्तिगत कारणों के चलते यह कदम उठाया होगा। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है, वहीं दूसरी ओर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजन का कहना है कि युवक का शव ट्रेलर वाहन के निचले हिस्से में लटका था, जिसकी ऊंचाई पांच फिट से भी कम थी। आशंका जताई कि गला घोंटकर हत्या के बाद शव को फंदे पर टांग दिया गया है। पुलिस ने मामले में पीएम रिपोर्ट आने व जांच के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

शासकीय महाविद्यालय में जनजाति गौरव दिवस समारोह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष रितेश जायसवाल थे। अन्य अतिथियों में नगर पंचायत बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, गोरखनाथपुर पंचायत के सरपंच शिवनारायण सिंह, इंजी. विनय सिंह पूर्व नपं बिश्रामपुर अध्यक्ष राजेश यादव, दीना यादव थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वनवासी आदिवासी समाज सूरजपुर की जयंती भगत थीं। मुख्य वक्ता जयंती भगत ने जनजाति समाज के गौरवशाली इतिहास पर अत्यंत रोचक, प्रेरक और विस्तृत

उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, रानी दुर्गावती, शहीद लागुड़ नगेसिया, थिथिर उरांव, संत गहिरा गुरु, राज मोहिनी देवी, गुंडा धूर, रघुनाथ शाह, शंकर शाह सहित अनेक जनजातीय महापुरुषों के संघर्ष, शौर्य और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए छात्रङ्कछात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीपी कोरी ने की। प्राचार्य कोरी ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए जनजातियों की अस्मिता एवं वीरगाथाओं पर आधारित अपनी कविता का पाठ किया तथा उनकी कविता स्वस्ति भाग-17 का विमोचन भी इसी अवसर पर किया गया।एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अनुशासन के साथ कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्टाफ सदस्यों द्वारा जनजातीय परिधानों में उपस्थित होना कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिया था। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने कहा कि महाविद्यालय परिवार ने अनुशासन, संस्कृति और जनजातीय गौरव के प्रति आदर का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने जनजाति नायकों के योगदान को याद करते हुए छात्रों को उनके पदचिह्नों पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती मनीषा अंजलि तिर्की एवं निशांत मिंज द्वारा किया गया।

चार नए लेबर कोड के खिलाफ राष्ट्रव्यापी हड़ताल 26 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर को चार नए लेबर कोड लागू किए जाने उपरांत अब 26 को कुछ श्रमिक यूनियनों द्वारा अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए राष्ट्र व्यापी हड़ताल की घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा चार नए लेबर कोड लागू किए जाने उपरांत अब करीब 29 पुराने केंद्रीय श्रम कानून खत्म कर दिए गए हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि अधिकांश पुराने श्रम कानून 1930-1950 के दशक के हैं, जब देश की अर्थव्यवस्था और कामकाजी हालात आज की तुलना में पूरी तरह अलग थे। ऐसे में उन प्राचीन नियमों को अब समेकित करना जरूरी था।

इस सुधार का मकसद है सरल, पारदर्शी और आधुनिक लेबर सिस्टम तैयार करना, जिससे न केवल कामगारों को बेहतर सुरक्षा मिले बल्कि नियोक्ताओं के लिए अनुपालन का बोझ भी कम हो सके। यहां बताना लाजिमी होगा तो कि नए लेबर कोड्स के कुछ प्रमुख बदलाव से कामगारों और व्यवसायों दोनों पर गहरा असर डालेंगे। नए लेबर कोड में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी क्षेत्र में मजदूरों की मजदूरी एक न्यूनतम स्तर से नीचे न जाए। अतिरिक्त काम पर मजदूरी को दोगुने दर देना अनिवार्य होगा।अब सभी कामगारों को औपचारिक तौर पर नौकरी में लिखित नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा, जिसमें वेतन, जिम्मेदारियां और अन्य शर्तें साफ-साफ लिखी हों, फ्रिलांसर, गिग-वर्कर्स, प्लेटफार्म कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का दायरा मिलेगा, जिसे पहले कानूनी रूप से ठीक से कवर नहीं किया गया, सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना लेऑफ करने की सीमा बढ़कर 300 कर्मचारियों तक कर दी गई है, जिससे कंपनियों को अधिक फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी, अब कामगारों और नियोक्ताओं को जटिल फॉर्म भरने की बजाय एक ही पंजीकरण और रिटर्न सिस्टम का उपयोग करना होगा, जिससे व्यवस्था व्यवस्थित और सुगम बनेगी, सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ महिलाएं रात में काम कर सकती हैं, जो एक बड़ा बदलाव है, 40 वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों को प्रति वर्ष मुफ्त स्वास्थ्य जांच देने का प्रावधान है, पारंपरिक उद्योगों के साथ-साथ अनौपचारिक सेक्टर, खतरनाक उद्योग जैसे खदान, मैदानी काम और माइग्रेंट मजदूरों को भी सामाजिक सुरक्षा कवरेज मिलेगा, निरीक्षक-प्रशिक्षक का रोल पेनल्टी देने से ज्यादा मार्गदर्शन देने में होगा, ताकि जुर्माने के बजाय सुधार को बढ़ावा मिले। हालांकि कुछ ट्रेड यूनियन ने इस फैसले की आलोचना भी की है। उनका मानना है कि कुछ कोड्स में कामगारों के अधिकारों में कमी हो सकती है, जैसे हायर-फायर में लचीलापन और प्रदर्शन-आधारित रोजगार को बढ़ावा। जिसके तहत अब 26 नवंबर को राष्ट्र व्यापी हड़ताल पर जाने की भी बात कही जा रही है।

साइंस कॉलेज चौपाटी हटाने पहुंचा निगम दस्ता, कांग्रेसियों के साथ झूमाझटकी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी रायपुर में साइंस कॉलेज चौपाटी को हटाने के लिए शनिवार तड़के शुरू की गई नगर निगम की कार्रवाई ने माहौल गर्म कर दिया। निगम टीम ने सुबह 5 बजे से पहले ही चौपाटी खाली करने का आदेश जारी किए, जिसके विरोध में व्यापारी रातभर धरने पर बैठे रहे। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, कांग्रेस नेता सुबोध हरितवाल और निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी भी व्यापारियों के साथ मौके पर मौजूद रहे। सुबह होते ही नगर निगम का अमला जेसीबी और भारी पुलिस बल के साथ साइंस कॉलेज ग्राउंड पहुंचा। कार्रवाई शुरू होते ही कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने जेसीबी के सामने लेटकर विरोध किया, जिसके चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

झूमाझटकी और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां

विरोध बढ़ने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, आकाश तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं को हिरासत में लिया। सभी को अस्थायी रूप से बनाई गई रायपुर सेंट्रल जेल ले जाया गया है। वहीं, चौपाटी हटाने की कार्रवाई बुलडोजर के साथ जारी है।

व्यापारियों की रोजी-रोटी बचाने की अपील

कांग्रेस नेताओं ने निगम अधिकारियों से अपील की कि व्यापारियों की रोजी-रोटी न छीनी जाए। हालांकि निगम प्रशासन ने शासकीय कार्य में बाधा का हवाला देते हुए कार्रवाई रोकने से इनकार कर दिया। साइंस कॉलेज चौपाटी क्षेत्र में माहौल अभी भी तनावपूर्ण है और व्यापारी तथा कांग्रेस कार्यकर्ता कार्रवाई का विरोध जारी रखे हुए हैं।

आमा नाका रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे चौपाटी शिफ्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । साइंस कालेज परिसर से हटाए गए चौपाटी के कारोबारियों को निगम प्रशासन ने आमा नाका रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे व्यवस्थापन शुरू कर दिया है। सभी की गुमटी ठेलों को वहां अनलोड किया जा रहा है। बता दें कि यह इलाका रेल लाइन के दायरे में आता है इसलिए हाल में रेलवे ने भी नोटिस लगा रखा है। इससे पहले कल रात से कांग्रेस नेता कारोबारियों के समर्थन में जमकर विरोध कर रहे हैं। सभी को गाड़ियों में भरकर पुलिस ले गई। उसके बाद व्यवस्थापन शुरू किया। बीजेपी विधायक राजेश मूणत और कांग्रेस नेता सुबोध हरितवाल के बीच जमकर बहस हुई। साइंस कॉलेज मैदान के सामने से चौपाटी हटाने के विरोध में बहस हुई। दरअसल शहर के जीई रोड स्थित एनआईटी के पास बने साइंस कॉलेज मैदान की चौपाटी को हटाने की कार्रवाई को लेकर मंगलवार देर रात से ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। चौपाटी हटाने की प्रशासनिक तैयारी की खबर मिलते ही कांग्रेस नेता अपने समर्थकों और दुकानदारों के साथ मौके पर ही पहुंच गए और रातभर धरने पर बैठे रहे। शनिवार सुबह हालात तब और गरम हो गए जब पुलिस बल और नगर निगम का अमला जेसीबी क्रेन तथा अन्य उपकरणों के साथ चौपाटी हटाने पहुंचे। पुलिस ने पहले इलाके को घेरा, फिर भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की। कांग्रेस समर्थकों ने जोरदार विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद दुकानदारों ने कहा कि यह चौपाटी वर्षों से उनकी आजीविका का केंद्र रही है और अचानक बिना समुचित विकल्प दिए इसे हटाने का निर्णय अनुचित है। उनका कहना था कि प्रशासन को पुनर्वास की व्यवस्था के बिना कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग करते हुए उन्हें मौके से दूर खदेड़ना शुरू किया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड बैकुंठपुर कार्यालय में बैठक आहूत

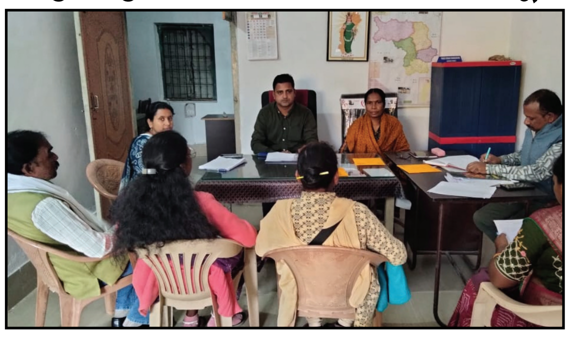

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जनपद पंचायत कृषि स्थाई समिति बैकुंठपुर का आज 22-11-25 दिन शनिवार को वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड बैकुंठपुर कार्यालय में बैठक आहूत किया गया।जिजमे, खरीफ वर्ष 2025 26 प्रदर्शन सूची का अनुमोदन किया गया, जिला खनिज न्यास योजना अंतर्गत वितरीत सामग्री की सूची अनुमोदन किया गया, रबी वर्ष 2025 26 कार्यक्रम के बारे में चर्चा किया गया ,प्राकृतिक खेती सूची के बारे में चर्चा बैठक में कृषि स्थाई समिति के सभापति राजू साहू ,जनपद सदस्य जगमनी टोप्पो, जनपद सदस्य हेमपुष्पा पोते, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी वंदना सिंह श्याम, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी टीएस परस्ते सहित अन्य स्टाफ उपस्थित थे

रायपुर पुलिस की ड्रिंक एंड ड्राइव पर कड़ी कार्रवाई, 10 दिनों में 53 वाहन जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । रायपुर पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ पूरी ताकत के साथ कार्रवाई शुरू कर दी है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर रात 11 बजे से सुबह 2 बजे तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का लक्ष्य नशे की हालत में वाहन चलाने वालों को रोकना और सड़क हादसों में कमी लाना है। पिछले दस दिनों में पुलिस ने 29 कार, 14 मोटर साइकिल, 7 मालवाहक वाहन, 1 ई रिक्शा और 2 यात्री बसों सहित कुल 53 वाहनों पर कार्रवाई की है। अब तक कुल 1432 नशे में वाहन चलाने वाले चालकों पर प्रकरण बनाए गए हैं। सभी वाहनों को मौके पर ही जब्त कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां 10 हजार से 15 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया। लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई अलग से जारी है। यात्री बसों के चालक भी पकड़े गए शराब के नशे में भाठागांव बस स्टैंड में निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने यात्री बसों के चालकों की जांच की। सड़क हादसों में बढ़ोतरी को देखते हुए बस ड्राइवरों की जांच को प्राथमिकता दी गई। जांच में शर्मा बस सर्विस की रायपुर से सरायपाली जाने वाली बस के चालक में 124 /100 और राजिम से रायपुर आने वाली बस के चालक में 57 /100 अल्कोहल की पुष्टि हुई। दोनों बसों को जब्त कर यात्रियों को दूसरी बसों में भेजा गया। चालकों पर प्रकरण तैयार कर अदालत भेजा जाएगा। यह पूरा अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात डॉ. प्रशांत शुक्ला के मार्गदर्शन और उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर तथा गुरजीत सिंह के नेतृत्व में चल रहा है। अधिकारी स्वयं मौके पर मौजूद रहते हुए प्रत्येक चेकिंग पॉइंट की निगरानी कर रहे हैं।

10-12वीं बोर्ड का टाइम टेबल जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 के लिए हाईस्कूल, हायर सेकण्डरी तथा शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षाओं की समय-सारणी जारी कर दी है। हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 20 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक प्रातः 9 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित होगी। हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 21 फरवरी 2026 से 13 मार्च 2026 तक प्रातः 9 बजे से 12.15 बजे तक संपन्न होगी। इसी प्रकार शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) 20 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक प्रातः 9 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

सुव्यवस्थित और डिजिटल व्यवस्था से बढ़ा किसानों का भरोसा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।बेमेतरा के ग्राम करेसरा के किसान श्री भगवानी राम ने इस साल समर्थन मूल्य पर 80 क्विंटल धान बेचा है। राज्य शासन द्वारा धान खरीदी के लिए की गई सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी व्यवस्था से उन्हें अपना धान बेचने में कोई परेशानी नहीं हुई। धान उपार्जन केंद्र में पहुंचने पर तौल से लेकर भुगतान तक हर चरण में सुगम व्यवस्था के कारण भगवानी राम जैसे किसानों का व्यवस्था पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है। डिजिटल टोकन, सुव्यवस्थित तौलाई, पारदर्शी गुणवत्ता परीक्षण तथा समय पर भुगतान की गारंटी किसानों की मेहनत को सही मूल्य दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भगवानी राम बताते हैं कि इस बार खरीदी केंद्र की व्यवस्था पहले से कहीं अधिक सुव्यवस्थित थी। लंबी लाइनों से मुक्ति, तौलाई में पारदर्शिता, समय पर टोकन, शेड, पीने का पानी और आराम जैसी सुविधाओं ने किसानों के लिए धान बेचने की प्रक्रिया को आसान और तनावमुक्त बना दिया है। 80 क्विंटल धान बेचने से प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग भगवानी राम अपने परिवार और कृषि के विकास के लिए करना चाहते हैं। वे इस कमाई को खेती के लिए आधुनिक उपकरण खरीदने, अगली फसल के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज व उर्वरकों की व्यवस्था करने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार तथा घर की जरूरतों व बच्चों की शिक्षा में निवेश जैसे कार्यों में उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। वे कहते हैं कि फसल से हुई आय ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि भविष्य की खेती के प्रति आत्मविश्वास भी बढ़ाया है। शासन की किसान हितैषी नीतियों और प्रशासन की सक्रियता से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। भगवानी राम की कहानी अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है कि अनुशासित मेहनत, वैज्ञानिक विधियों और सरकारी समर्थन से खेती में आर्थिक उन्नति के नए अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। भगवानी राम की कहानी बताती है कि जब व्यवस्था पारदर्शी हो और किसानों को उनका हक समय पर मिले, तो मेहनत समृद्धि में बदल जाती है।

विधायक सोनी को डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश

रायपुर । रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर ठगने की कोशिश की। दो दिन पहले उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आईबी का अधिकारी बताया और दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर का उपयोग कश्मीर में हुई आतंकवादी घटना में हुआ है। विधायक ने बताया कि कॉल सुनकर वह पहले घबरा गए। बाद में उन्हें संदेह हुआ कि यह साइबर ठगी का प्रयास हो सकता है। उन्होंने तुरंत कॉल बंद किया और मामले की जानकारी एसएसपी और साइबर क्राइम सेल को दी। पुलिस उस नंबर की जांच कर रही है, जिससे कॉल आया था।

कार्यशाला में फोर्टिफाइड चावल के उपभोग को बढ़ावा देने पर जोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।राज्य शासन कुपोषण से लड़ने और राज्य में फोर्टिफाइड चावल के उपभोग को बढ़ावा देने निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम और समाज कल्याण फाउंडेशन के सहयोग से गत दिवस मेफेयर लेक रिजॉर्ट, रायपुर में चावल फोर्टिफिकेशन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ष्पोषण प्रथमष जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसे विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। रीना बाबासाहेब कंगाले, सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की निदेशक डॉ. फरिहा आलम ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम की तकनीकी सहायता से विभाग चावल फोर्टिफिकेशन पर नवंबर 2020 से कार्य कर रहा है और अब इसके परिणाम दिखाई देने लगे हैं। आम जन फोर्टिफाइड चावल के उपभोग के महत्व को समझने लगे हैं। यह कार्यशाला प्रतिभागियों को फील्ड स्तर के प्रश्नों को जानने-समझने और फोर्टिफाइड चावल के उपभोग से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में सहायक होगी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की सहायक प्राध्यापक डॉ. शुभा बनर्जी ने कार्यशाला में चावल फोर्टिफिकेशन की ष्क्या, क्यों, कहाँ, कैसे और कब पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में एनीमिया की उच्च दर अपर्याप्त पोषण का परिणाम है। फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति और खपत भी एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत एनिमिया दूर करने की प्रमुख रणनीतियों में शामिल है और इससे एनीमिया में कमी आयी है ।विश्व खाद्य कार्यक्रम के सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट श्री अरुणांशु गुहाठकुरता ने छत्तीसगढ़ में चावल फोर्टिफिकेशन पर डब्लूएफपी की भूमिका पर जानकारी दी।

बिजली बिलों की चिंता से मिली मुक्ति-प्रभाष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का सीधे तौर पर लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। इस योजना के तहत कुनकुरी निवासी एवं व्यवसायी प्रभाष कुमार जैन ने अपने घर की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए पिछले महीने ही 5 किलोवाट सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री जैन कहते हैं कि यह योजना आम परिवारों के लिए बड़ी मददगार है– अब हमें भारी बिजली बिलों की चिंता नहीं रहेगी और घर में लगातार बिजली का उपयोग बिना बोझ के कर सकेंगे। इस सोलर प्रणाली की कुल लागत 3.50 लाख रुपए आई, जिसमें से उन्हें शासन की ओर से 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहायता से स्थापना की लागत में उन्हें पर्याप्त राहत मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को इसके लिए धन्यवाद दिया है श्री जैन बताते हैं– हमारे घर में हर महीने लगभग 4,000 से 5,000 रुपये तक बिजली बिल आता था। सोलर पैनल लगने के बाद आने वाले महीनों में इस खर्च से काफी हद तक राहत मिलेगी। पिछले महीने ही यह व्यवस्था लगाई गई है और अब इसका लाभ धीरे-धीरे दिखने लगा है। श्री जैन ने बताया कि योजना के बारे में जानकारी ऑनलाइन प्राप्त की। पूरी प्रक्रिया सरल होने के कारण उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई ।बता दें प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को स्वच्छ, सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना है।

मत्स्य बीज उत्पादन में राज्य देश में 6 वें स्थान पर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा मछलीपालन मंत्री रामविचान नेताम आज विश्व मात्स्यिकी दिवस पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम सभागार में आयोजित एक दिवसीय मत्स्य कृषक संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रति वर्ष 21 नवंबर को विश्व मात्स्किी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मत्स्य पालन के महत्व, मछुआ समुदाय के अधिकारों, आर्थिक आजिविका, खाद्य सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत एवं समुदाय सशक्तिकरण हेतु जागरूकता लाना है नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती मना रहा है। राज्य में प्राकृतिक रूप से मछली पालन के स्त्रोत प्रचूर मात्रा में उपलब्ध है। मत्स्य किसानों के विकास के लिए आवश्यकता है केवल नवीन तकनीक, मानव कौशल विकास, आर्थिक प्रोत्साहन एवं सहायता की।

मत्स्य बीज उत्पादन में राज्य देश में 6 वें स्थान पर

कृषि मंत्री नेताम ने बताया कि शासन ने राज्य निर्माण के पश्चात राज्य एवं केन्द्र की विभिन्न योजनाओं जैसे कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, नील काति, प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना आदि के माध्यम से मछली पालन विकास के सतत प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य में कुल 1,30,001 जल स्त्रोत (2.039 लाख हेक्टेयर) उपलब्ध है जिनमें 98 प्रतिशत में किसी न किसी रूप में मत्स्य पालन हो रहा है। 3571 किलोमीटर का नदीय जलक्षेत्र भी उपलब्ध है। सघन मत्स्य पालन हेतु अतिरिक्त जलक्षेत्र निर्मित किया जा रहा है, अब तक कुल 7580 हेक्टर जलक्षेत्र निजी क्षेत्र में अतिरिक्त निर्मित हो चुका है। मछली पालन हेतु गुणतत्ता युक्त मत्स्य बीज एक आधारभूत आवश्यकता है। राज्य को मत्स्य बीज के क्षेत्र में अग्रणी बनाने हेतु निरंतर प्रयास जारी है। अब तक कुल 82 नवीन हैचरी निर्मित कर 120 हैचरियों के माध्यम से 583 करोड़ मत्स्य बीज प्रति वर्ष उत्पादित हो रहा है, एवं राज्य देश में 6 वें स्थान पर है। हमारा राज्य मत्स्य बीज उत्पादन में न सिर्फ आत्मनिर्भर हुआ अपितु अन्य राज्यों को निर्यात भी हो रहा है।

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं जांजगीर में थोक मत्स्य बाजार की स्थापना

मंत्री नेताम ने कहा कि विपणन व्यवस्था को सुदृढ बनाने एवं उपभोक्ता तक ताजी मछली पहुंचाने के लिए 1008 मोटर साइकल, आईस बॉक्स, 10 थी व्हीलर एवं 05 इन्सुलेटेड ट्रक, 114 वाहन (लाइव फिश वेडिंग सेन्टर) वितरित किए गए। रायपुर दुर्ग बिलासपुर एवं जांजगीर में थोक मत्स्य बाजार की स्थापना की गई। मंत्री नेताम ने इस मौके पर मछुआ संघ की ओर से हितग्राहियों को लाभांश राशि का चेक प्रदान किया।

मत्स्य पालन बेरोजगारी दूर करने का सशक्त साधन

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा और रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने भी सम्बोधित किया। मछलीपालन पालन विभाग के संचालक एमएस नाग ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि भारत के मध्यस्थल पर स्थित प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्य पालन विकास काफी प्रगति पर है। राज्य में उपलब्ध जल संसाधन की दृष्टि से मछली पालन एक विशिष्ट स्थान रखता है, राज्य की भौगोलिक एवं कृषि जलवायु स्थितियां भी मछलीपालन हेतु उपयुक्त है। यह ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी दूर करने का सशक्त साधन है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी वर्ग के प्रगतिशील मछुआरों को मछलीपालन की आधुनिक तकनीकी पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1840 प्राथमिक मत्स्य सहकारी समितियों के माध्यम से 63 हजार 280 सदस्य मत्स्य पालन कर रहे हैं। संगोष्ठी में मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. लखन लाल धीवर, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, मछुआ कल्याण बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष बसंत तारख और रामकृष्ण धीवर सहित बड़ी संख्या में मत्स्य किसान शामिल थे।

सम्पादकीय

बिहार में एक बार फिर सुशासन बाबू सरकार

बिहार में एक बार फिर से सुशासन राज का श्रीगणेश हो गया। मिस्टर क्लीन नाम से प्रसिद्ध नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए हैं। गुरुवार को उन्होंने पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री के साथ 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली है। जमुई से जीतीं श्रेयसी सिंह समेत 10 नए चेहरों को नीतीश कैबिनेट में जगह दी गई है। चुनाव से पहले नितीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर तरह- तरह की बातें होती रहीं, लेकिन उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान सैकड़ों रैलियां करके दिखा दिया कि वे पूरी तरह से तैयार हैं। जेडीयू ने 2020 में मिली अपनी सीटों की संख्या लगभग दोगुनी करते हुए 85 सीटें हासिल कीं। नतीजों ने नीतीश की उस क्षमता को भी दिखाया, जिसमें वे गठबंधन को अपना वोट ट्रांसफर कर सकते हैं। चाहे वह किसी भी गठबंधन में हों। हालांकि यह क्षमता लालू प्रसाद और तेजस्वी, मायावती, मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव और चिराग पासवान में भी है, लेकिन नीतीश को जो बात विशिष्ट बनाती है, वह यह है कि वे अपने साथ जुड़ी सभी जातियों के बीच यह कर दिखाते हैं। नीतीश की अपनी जाति, कुर्मी की संख्या बेहद कम है, लेकिन यह तथ्य उनके लिए कोई बाधा नहीं रहा है, ईबीसी, गैर-यादव ओबीसी और महिलाओं का गठबंधन बनाने में उनकी राजनीतिक प्रतिभा को दर्शाता है। अगड़ी जातियों में भी उनके प्रति कोई द्वेष नहीं है। ऐसे राज्य में जहां जातिगत समीकरण गहरे हैं, यह उन्हें एक खास स्थान दिलाता है। नीतीश अपने विकास कार्यों और नेक नियति के लिए जाने जाते हैं। राजनीति में इतनी लंबी पारी गुजारने के बाद भी विरोधियों के पास उनके खिलाफ बोलने के लिए कुछ नहीं है। न तो कोई भ्रष्टाचार का मामला और न ही फेराफेरी की गुंजाइश। इसीलिए उन्हें मिस्टर क्लीन भी कहा जाता है। उनके मंत्रियों पर आरोप लगते हैं, लेकिन किसी ने भी सीएम पर भ्रष्टाचार की उंगली नहीं उठाई। राजद प्रमुख लालू यादव के उलट, उन पर अपने बेटे को बढ़ावा देने का आरोप भी नहीं लगाया जा सकता। लालू-राबड़ी के शासनकाल के बाद बिहार को फिर से पटरी पर लाने के लिए उनके शासन और नीतिगत प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना की जाती है। बिजली की नियमित उपलब्धता, जो अब समाज के बड़े हिस्से के लिए लगभग मुफ्त है, राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों का जाल और बेहतर कानून-व्यवस्था ने उन्हें प्यार दिलाया। वे बिहार के चहेते बन गए। उनके द्वारा किए गए विकास के चर्चे पूरे बिहार ही नहीं देशभर में होते हैं। पहली बार वह मार्च 2000 में सीएम बने, लेकिन बहुमत न होने के कारण सिर्फ सात दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा। 2005 में उन्होंने लालू प्रसाद के वर्चस्व को खत्म कर एनडीए सरकार बनाई। 2010 के चुनाव में भी उन्हें बड़ी जीत मिली, जिसके बाद वह फिर मुख्यमंत्री बने। हालांकि 2014 लोकसभा चुनाव में जदयू की हार के बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने जीतन राम मांझी को सीएम बनाया, लेकिन फरवरी 2015 में एक बार फिर खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल ली। नवंबर 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को भारी सफलता मिली और उस सरकार में भी नीतीश ही मुख्यमंत्री रहे। 2017 में राजद से टकराव के बाद उन्होंने फिर एनडीए सरकार बनाई। 2020 चुनाव के बाद वे फिर से मुख्यमंत्री बने। 2022 में 8 बार सीएम बने और फिर 2024 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ये अपने आप में रिकार्ड है और नीतीश इसके नायक। उम्मीद की जानी चाहिए कि वे अपनी सुशासन बाबू की छवि को और बेहतर निखारेंगे।

अंकुश
प्रमोद भार्गव

अंतिम सांसें गिनता नक्सली माओवाद

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के बाद सात अन्य नक्सलियों को भी मार गिराया है। इससे साथ तय है कि अब नक्सली हिंसा अपने अंतिम चरण में है। मार्च 2026 तक इसका समूल नाश हो जाएगा, क्योंकि अब प्रमुख नक्सली सरगनाओं की गिनती मात्र 3-4 तक सिमट गई है। यदि वे हथियार डालकर समर्पण नहीं करते हैं तो उनका भी अंत होना तय है। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती है लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के बाद सात अन्य नक्सलियों को भी मारने के साथ तय है कि अब नक्सली हिंसा अपने अंतिम चरण में है। मार्च 2026 तक इसका समूल नाश हो जाएगा, क्योंकि अब प्रमुख नक्सली सरगनाओं की गिनती मात्र 3-4 तक सिमट गई है। यदि वे हथियार डालकर समर्पण नहीं करते हैं तो उनका भी अंत होना तय है। हालांकि इस मुठभेड़ में मप्र के बालाघाट में पदस्थ निरीक्षक आशीष शर्मा को बलिदान देना पड़ा है। माओवादी अर्से से देश में एक ऐसी जहरीली विचारधारा रही है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का समर्थन मिलता रहा है। ये बौद्धिक नक्सली संगठनों को आदिवासी समाज का हितचिंतक मानते रहे हैं, जबकि जो आदिवासी नक्सलियों के विरोध में रहे, उन्हें इनकी हिंसक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। बावजूद इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश के वामपंथी दलों को कभी भी सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा सफाये का अभियान पसंद नहीं आया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाएं जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014 से 2024 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004 से 2014 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई हैं और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है। उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस

तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। इस मुठभेड़ में मारे गए हिड़मा का बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में बोलबाला रहा है। अब हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सली समस्या के हल की गुंजाइश बढ़ गई है। कांग्रेस की पूर्व केंद्र तथा छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार नक्सली समस्या से निपटने के लिए दावा करती रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि तत्कालीन छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है, क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा फिर सत्ता में आई, उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है। दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था।

माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है।

दिवस विशेष
डॉ.रमेश ठाकुर

सूचना संसार पर 'टेलीविजन' ने जमाया अंगद की तरह कदम

चाहें सूचनाएं हों या मनोरंजन के साधन, दोनों ही धड़े अब टेलीविजन के इर्द-गिर्द ठहर गए हैं। सूचनाओं के प्लेटफार्म बेशक बहुतेरे हों, जैसे अखबार, रेडियो, सोशल मीडिया आदि, टीवी ने दर्शकों का सर्वाधिक हिस्सा अपनी ओर घुमा लिया है। आज 'विश्व टेलीविजन दिवस' है जो सालाना नवंबर की 21 तारीख को समूचे संसार में मनाया जाता है। वर्ष 1996 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस मकसद के साथ घोषित किया, ताकि निर्णय लेने में टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव को पहचाना जा सके और शांति, सुरक्षा और आर्थिक व सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने में इसकी भूमिका को सराहा भी जा सके। टेलीविजन दर्शकों को उनकी पसंद का सारा मनचाहा मैटेरियल घर बैठे-बिठाए परोस रहा है। इसलिए कह सकते हैं कि टेलीविजन ने अंगद की भांति देश-दुनिया की तमाम सूचनाओं और मनोरंजनों के साधनों को पहुंचाने और विचारों के आदान-प्रदान के तौर पर अपने पांव मजबूती से जमा लिए हैं। भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत दिल्ली से 15 सितंबर, 1959 को हुई, जो कुछ वर्षों में तेजी से रफ्तार पकड़ी। टीवी के आविष्कार की जहां तक बात है, तो एक प्रसिद्ध स्कॉटिश इंजीनियर थे जिन्होंने टीवी को पहली मर्तबा खोजा। नाम था 'जॉन लोगी बेयर्ड'। जॉन ने वर्ष-1924 में टीवी का श्रीगणेश किया। फिर 1927 में संसार में पहले वर्किंग टेलीविजन का निर्माण हुआ, जिसे सितंबर की पहली तारीख और सन 1928 को प्रेस के सामने प्रस्तुत किया गया। इसके बाद टीवी ने अपना ऐसा प्रभाव छोड़ा, जिसके सामने समूचा संसार नतमस्तक हो गया। वैसे, कलर टेलीविजन के आविष्कार का भी श्रेय महान वैज्ञानिक 'जॉन लोगी बेयर्ड' को ही जाता है जिन्होंने 1928 में टीवी के सफेद पर्दे को रंगीन में बदला था। उसके बाद से रंगीन टीवी का प्रचलन आरंभ हुआ। रेडियो ने जहां आवाज और अखबार ने पठनीय माध्यमों से सूचनाओं को पंख लगाए हैं। वहीं, टेलीविजन ने संचार को दृश्यात्मकता तौर पर आंखें प्रदान कर दी हैं। टेलीविजन की पकड़ सिर्फ मनोरंजन तक नहीं है, बल्कि, समाचार, विचार, शिक्षा और जागरूकता जैसे असंख्य क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टीवी आमजनों की विभिन्न जिज्ञासाओं को भांप कर उन्हें वैसा ही स्वाद देने का प्रयास करता है। सरकारी योजनाएं हों या सार्वजनिक सूचनाएं सभी में टीवी का पर्दा अभूतपूर्व और अव्वल भूमिका निभा रहा है। कह सकते हैं कि टेलीविजन ने सशक्त और द्रुतगति का जरिया बनकर सुगमता के अनगिनत रास्ते खोलने की महती भूमिका निभाई है। विकास और आविष्कार हमेशा से एक-दूसरे के समानार्थी सहयोगी रहे हैं। ये तथ्य समानरूपी चरितार्थ इसलिए हैं कि विकास और आविष्कार ने मिलकर विगत तीन दशकों में बड़ा विस्तार किया है जिसमें टेलीविजन की अग्रणी भूमिका रही है। यूं कहें कि टेलीविजन का पर्दा प्रत्येक इंसान के जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। वर्ष 1996 के आसपास की बात है, जब पहली मर्तबा विश्व टेलीविजन फोरम की याद में हर साल 21 नवंबर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने का प्रचलन शुरू हुआ। उसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने लोगों के निर्णय की क्षमता पर ऑडियो-विजुअल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और अन्य प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने में टीवी की संभावित भूमिका को पहचानने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। 21वीं सदी में टेलीविज़न ने मुद्रित माध्यम की साक्षर होने की शर्त को भी अनावश्यक प्रमाणित कर दिया। भारतीय संदर्भ में देखें, तो सिनेमा उद्योग आज भी अपनी फिल्मों के प्रमोशन से लेकर रिएलिटी शोज़ को आगे बढ़ाने के लिए टेलीविज़न की ओर ही दौड़ते हैं। दरअसल, उनको टीवी की ताकत का अंदाजा अच्छे से है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जब देशवासियों से कुछ कहना होता है, तो वह भी टीवी के जरिए ही अपनी जरूरी बात को सभी तक पहुंचाते हैं। मौजूदा वक्त में टीवी की भूमिका में एक और बड़ा अध्याय जुड़ गया है। संचार क्रांति फोटोग्राफी, टेलीग्राफी, रेडियो और टेलीविज़न के आविष्कारों से समृद्ध होते हुए बदलाव का सिलसिला अब इंटरनेट तक पहुंच गया है। ये बात तथ्यात्मक है कि इंटरनेट से पहले रेडियो-टेलीविज़न ने ही संचार क्रांति को आगे बढ़ाया था। मार्च 2025 तक, भारत में 918 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनल थे जिनमें से 908 भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि चैनलों की संख्या घटती-बढ़ती रहती हैं। दृश्य टीवी की ताकत होते हैं। कवरेज के दौरान दिखाए गए दृश्यों पर दुनिया आंख मूंदकर विश्वास करती है। सूचनाओं के आदान-प्रदान में टीवी की भूमिका अहम रही है और सिलसिला आगे भी बदस्तूर जारी रहेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर मानव में शुभ व अशुभ इच्छाएं होती है

संकलित
दर्शन

शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो। श्रावण के महीने में संपूर्ण वातावरण उत्सव से भर जाता है। शिव-तत्व अपने चरम पर होता है, यह सहजता से उपलब्ध होता है। इसलिए यह मास भगवान शिव की पूजा करने के लिए सर्वोत्तम मास है। हमारे प्राचीन ऋषि अत्यंत बुद्धिमान थे। वे जानते थे कि हर मानव के भीतर इच्छाएं होती हैं, कुछ शुभ और कुछ अशुभ। जीवन में प्रगति के लिए आवश्यक है कि शुभ इच्छाएं फलित हों। विवेक के उपयोग से मनुष्य यह निर्णय ले सकता है कि कौन-सी इच्छाएं उसके लिए लाभदायक हैं और उन इच्छाओं को प्राप्त करने के लिए क्या कार्य कर सकता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है कि व्यक्ति चाहे कितना भी प्रयत्न कर ले, लेकिन वह अपने इच्छित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाता है। उसे मार्ग में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कारण विविध हो सकते हैं, कुछ अत्यंत सूक्ष्म, कुछ अधिक सूक्ष्म नहीं। ऋषियों ने इस समस्या पर विचार किया और एक अद्भुत समाधान निकाला। उन्होंने मानव कल्याण के लिए संकल्प और पूजा की प्रक्रिया तैयार की। पूजा आरंभ करने से पूर्व पूजा करने वाले यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। संकल्प वह विशिष्ट उद्देश्य है, जिसके लिए पूजा आयोजित की जा रही है। संकल्प का उच्चारण करने से पहले स्थान (देश) और समय (काल) को परिभाषित किया जाता है, जहां पूजा आयोजित की जा रही है।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की सलाह दी

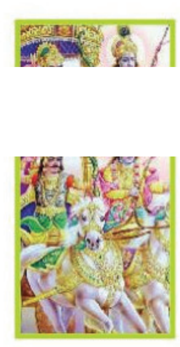

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी। जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण रथ लोग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए, अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी है, क्योंकि इससे किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। हमारे देश का किसान अब आधुनिक तकनीक से कृषि करने भी लगा है। लेकिन अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। कुछ किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी दवाइयों, खादों का प्रयोग करते हैं, जो उनकी फसलों को किसी भी रूप में खाता है, उस पर उनका विपरीत असर भी पड़ता है। फल-सब्जियों की पैदावार या इनकी संभाल करने के लिए भी जो रासायनिक खादों और अन्य कैमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, वह भी शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। *- मनोज वर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

शपथ लेने पर बधाई

बिहार के मुख्यमंत्री पद की पुनः शपथ लेने पर नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा को हार्दिक बधाई! साथ ही आज शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को भी बहुत बधाई। सभी के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ।
-राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि

भारतीय खेल जगत के गौरव, 'फ्लाइंग सिख', 'पद्म श्री' मिल्खा सिंह को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि! उनके हर कदम में संघर्ष की गूंज थी, हर जीत में राष्ट्र का गौरव था। मिट्टी के ट्रैक से विश्व मंच तक पहुंचने की उनकी यात्रा ने दुनिया को सिखाया कि मेहनत ही सबसे बड़ा पदक है।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

हेली पर्यटन सेवा

मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के नए युग का शुभारंभ... आज से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का नियमित रूप से संचालन होने जा रहा है। इस सुविधा से कम समय में अधिक गंतव्यों की यात्रा पूर्ण होगी। अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यटन में भी वृद्धि होगी।
- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

हवा स्वच्छ बनाने के प्रयास

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाने के लिए स्प्रिंकलर, एंटी-स्मॉग गन, मैकेनिकल स्वीपर्स, मिस्ट-स्प्रे सिस्टम, निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग व्यवस्था और रोजाना कचरे की बायो-माइनिंग जैसे प्रयास निरंतर जारी हैं।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

मेटा ने आस्ट्रेलियाई किशोरों को डेटा के लिए किया सचेत

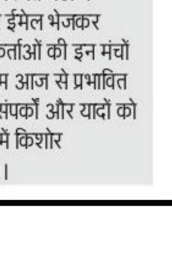

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे। कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

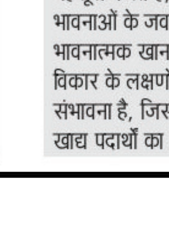

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी ज़रूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

पाक : बॉयलर फैक्ट्री में धमाका, 15 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक फैक्ट्री के बॉयलर में भीषण विस्फोट हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। यह हादसा सुबह पंजाब के फैसलाबाद जिले में हुआ, जो लाहौर से लगभग 130 किमी दूर है। फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर ने बताया कि मलिकपुर इलाके की एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर में जबरदस्त धमाका हुआ, जिससे आसपास की इमारतें भी ढह गईं। 'अब तक रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 15 शव बरामद कर लिए हैं और सात घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।'

आगामी संसद सत्र में शामिल होंगे अमृतपाल!

चंडीगढ़। खडूर साहिब से निर्वाचित स्वतंत्र सांसद अमृतपाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने मामला निपटाते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। कोर्ट ने अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और पंजाब सरकार को आदेश दिया है कि वे अमृतपाल सिंह की ओर से संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए मांगी गई इंटरिम कस्टडी पैरोल पर एक हफ्ते के भीतर निर्णय लें। अमृतपाल सिंह वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत 2023 से हिरासत में हैं।

चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर मांगा जवाब, 26 को अगली सुनवाई

केरल और दूसरे राज्यों के एसआईआर पर सुनवाई को राजी हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,

केरल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इन्टेंसिव रिविजन (एसआईआर) रोकने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। केरल सरकार के अलावा कुछ राजनीतिक दलों ने भी राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव का हवाला देते हुए एसआईआर पर रोक की मांग की है। कोर्ट अब इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केरल, तमिलनाडु, बंगाल, उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के एसआईआर एक्सरसाइज करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। यूपी के बाराबंकी के कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने भी उत्तर प्रदेश में एसआईआर न करवाने की मांग की है। कोर्ट ने

राज्यों की सभी याचिकाओं पर अब एक बैच में होगी सुनवाई

इस पर भी नोटिस जारी किया। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि 26 नवंबर को वह सिर्फ केरल के मामले पर सुनवाई करेगा। इसके

12 राज्यों में जारी है एसआईआर फरवरी में आएगी फाइनल लिस्ट

अलावा उस दिन बिहार एसआईआर पर लंबित याचिकाओं की सुनवाई होगी।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। बेंच ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी।

इन पार्टियों की याचिकाएं

सुप्रीम कोर्ट पहले ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने 11 नवंबर को डीएमके, माकपा, पश्चिम बंगाल कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की याचिकाओं पर आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे। इन याचिकाओं में तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के एसआईआर को चुनौती दी गई थी।

12 राज्यों में से 4 में अगले साल होने हैं चुनाव

आयोग जिन राज्यों में एसआईआर करा रहा है, उनमें छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप शामिल हैं। इन 12 राज्यों में से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं।

तमिलनाडु ने किया सबसे पहले विरोध : एसआईआर का सबसे अधिक विरोध दक्षिण के राज्यों में हो रहा है सबसे पहले तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने आयोग के इस कदम को लोगों के वोट छीनने की साजिश बताया है। डीएमके का कहना है कि राज्य में नवंबर-दिसंबर में पूर्वोत्तर मानसून सक्रिय रहता है, ऐसे समय में इतनी बड़ी प्रक्रिया चलाना मुश्किल होगा। पार्टी ने कहा है कि हम मतदाता सूची अपडेट करने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए, खासकर जब अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने हैं। डीएमके ने बिहार में हुए एसआईआर पर आरोप लगाते हुए कहा कि वहां मुसलमानों, दलितों और महिलाओं को निशाना बनाया गया।

बंगाल, केरल ने भी जताया विरोध : पश्चिम बंगाल में सरकार चला रही तृणमूल कांग्रेस और केरल में वाम मोर्चे की सरकार ने भी इस फैसले की आलोचना की है। टीएमसी चीफ व बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'बिहार में जो हुआ, वह सिर्फ रिहर्सल था। असली निशाना पश्चिम बंगाल है। लेकिन बंगाल के लोग चुनाव आयोग को जवाब देंगे।' केरल अपने यहां एसआईआर का इसलिए भी विरोध कर रहा है, क्योंकि वहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं।

यूपी में कांग्रेस-सपा ने जताया विरोध : एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी कराया जा रहा है, जहां अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं। ऐसे में एसआईआर से पंचायत चुनाव का प्रभावित होना तय है, क्योंकि लोकसभा-विधानसभा चुना की मतदाता सूची अलग और पंचायत चुनाव की मतदाता सूची अलग होती है, लेकिन उन्हें तैयार करने वाले कर्मचारी एक ही होते हैं। कांग्रेस-सपा ने इसका विरोध जताया है। बाराबंकी के कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने एसआईआर न कराने की मांग की है।

अब ईवीएम पर दिखेगी उम्मीदवार की तस्वीर

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राज्य में 2026 विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जांच और मतदान अभ्यास शुरू करने का कार्यक्रम तय किया है। उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में कई प्रथम स्तर की जांच (एफएलसी) टीम के सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बताया कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने यह भी नए नियम लागू किया है कि इस बार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार की छवि सहित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर कौन-सी जानकारी दिखाई जाएगी, यह तय किया गया है। यह पहली बार है जब मशीनों पर उम्मीदवार की तस्वीर भी दिखाई जाएगी। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, उम्मीदवार की छवि ईवीएम के बटन के पास रखी जाएगी और प्रशिक्षण के दौरान भी दिखाई जाएगी।

भारत ने फिर शुरू किया चीनी पर्यटकों के लिए टूरिस्ट वीजा

नई दिल्ली,

भारत ने हाल ही में दुनिया के विभिन्न देशों में मौजूद अपने दूतावासों और कॉन्सुलेट्स के माध्यम से चीनी नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा आवेदन दोबारा खोल दिए हैं। यह कदम दोनों देशों के बीच एलएसी पर लंबे सैन्य तनाव के बाद रिश्तों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद चीनी नागरिकों के वीजा स्थगित कर दिए गए थे। जिससे संबंध दशकों में पहली बार बेहद निचले स्तर पर पहुंच गए थे। अब बिना किसी औपचारिक घोषणा के यह सुविधा फिर से शुरू कर दी गई है। जानकारों का कहना है कि यह निर्णय दोनों देशों के बीच लोगों के संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

रिश्ते बेहतर बनाने की पहल

सूत्रों ने बताया कि हाल के महीनों में भारत और चीन ने आपसी रिश्तों को स्थिर करने के लिए कई 'पीपल-सेंट्रिक' कदमों पर सहमति जताई है। इसी क्रम में 2020 से बंद पड़ी सीधी उड़ानें अक्टूबर 2024 में बहाल की गईं. इसके अलावा कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर शुरू करने, विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों के लिए वीजा सुविधा बढ़ाने और राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर संयुक्त गतिविधियां आयोजित करने जैसे उपाय भी किए गए। इससे पहले भारत ने केवल चीन स्थित अपने मिशनों के माध्यम से ही चीनी पर्यटकों को वीजा देना शुरू किया था। अब यह सुविधा वैश्विक स्तर पर उपलब्ध होने से दोनों देशों के बीच आम लोगों के स्तर पर संवाद और बढ़ने की उम्मीद है।

कश्मीर के अस्पतालों में हथियारों का जखीरा बनाने की थी प्लानिंग

दिल्ली बम ब्लास्ट मामले में एक और खुलासा

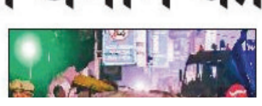

नई दिल्ली,

दिल्ली के लाल किला विस्फोट में शामिल जैश का मॉड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को बड़े हथियार भंडारण केंद्रों में बदलने की योजना बना रहा था। ठीक उसी तरह जैसे गाजा के अस्पतालों में हमास हथियार जमा करता है। एनआईए की जांच के दौरान यह बड़ा खुलासा हुआ है। जिस तरह हमास ने गाजा के अल-शिफा अस्पताल को हथियार भंडारण स्थल के रूप में इस्तेमाल किया था, उसी तरह जैश का यह मॉड्यूल बारामूला, अनंतनाग और बडगाम के कई अस्पतालों को हथियार भंडारण केंद्रों में बदलने की कोशिश कर रहा था। एनआईए सूत्रों के अनुसार, हमास और जैश कैडरों के बीच बढ़ती नजदीकियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, इस बात की संभावना काफी बढ़ गई है कि इस जैश मॉड्यूल को हमास से तकनीकी सहायता भी मिल रही थी। इसके बाद, जांच एजेंसी को अहम जानकारी मिली।

जैश का 'डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल'

जैश का 'डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल' अनंतनाग, श्रीनगर, बारामूला और नौगाम के अस्पतालों को ऐसे घातक हथियारों के भंडारण केंद्र बनाने की साजिश रच रहा था। यह जानकारी मिलते ही पुलिस ने कश्मीर के अस्पतालों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की, जहां आरोपी डॉक्टरों के लॉकरों से हथियार बरामद किए गए।

बना रहे थे बायोलॉजिकल वेपन भी

गुजरात एटीएस ने पिछले दिनों तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में हैदराबाद से एक डॉक्टर की भी गिरफ्तारी हुई थी। एटीएस जब हैदराबाद में डॉक्टर अहमद सैयद के घर पहुंची, तो वहां से बड़ी मात्रा में आतंकवाद से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिली थी।

कर्नाटक में सीएम पद को लेकर फिर छिड़ी रार

डीके गुट ने दिल्ली में डेरा डाला सिद्धारमैया बोले- पद पर बने रहूंगा

नई दिल्ली,

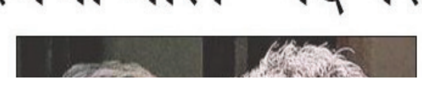

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी खींचतान लगातार बढ़ती जा रही है। दिल्ली में डीके गुट के शक्ति प्रदर्शन के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि वह पद पर बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट भी पेश करेंगे। उनका यह बयान सत्ताधारी कांग्रेस में चल रहे जोरदार सत्ता संघर्ष के बीच आया है, जिसमें डीके शिवकुमार खेमे के नेता हाईकमान पर बदलाव के लिए दबाव बना रहा हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि कम से कम 15 विधायक और करीब एक दर्जन एमएलसी शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए पार्टी लीडरशिप पर दबाव डालने के लिए नई दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

हाईकमान लेगा फैसला : सिद्धारमैया

इस मामले पर सिद्धारमैया ने कहा, कि हाई कमान इस पर फैसला लेगा, चाहे नेतृत्व बदलने की बात हो या मंत्रीमंडल के पुनर्गठन का विषय हो, हाईकमान को ही फैसला लेना है, उसे मुझे भी मानना पड़ेगा, शिवकुमार को भी मानना पड़ेगा और सभी को मानना पड़ेगा।

गुटबाजी मेरे खून में नहीं : डीके

राज्य में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर डीके शिवकुमार ने कहा, गुटबाजी करना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 एमएलए मेरे एमएल हैं। मुख्यमंत्री ने तय किया कि वह सरकार, कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए वे सभी मंत्री बनने में दिलचस्पी रखते हैं। यह स्वाभाविक है कि वे दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा मैं क्या कह सकता हूं? उन्हें पूरा अधिकार है। मैं किसी को नहीं ले गया।

शक्ति प्रदर्शन पर कांग्रेस सख्त

शिवकुमार समर्थकों के शक्ति प्रदर्शन व बयान को लेकर कांग्रेस ने चेतावनी जारी की है। एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने सभी विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे मीडिया में नेतृत्व से जुड़े मुद्दों पर अनावश्यक बयानबाजी न करें। इससे पार्टी और सरकार दोनों की छवि प्रभावित हो रही है।

दुष्कर्म का आरोपी नीरज गिरी दोषमुक्त

सोनभद्र। करीब साढ़े 7 वर्ष पूर्व घर में घुसकर 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म व आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए साक्ष्य के अभाव में आरोपी नीरज गिरी को दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष दोषसिद्ध करने में असफल रहा।

न्यायालय तहसीलदार पटना, जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

/2025-26

सर्व साधारण ग्राम चिरगुडा को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूरज कुमार आ. स्व. पारसराम आयु लगभग 30 वर्ष जाति रजवार निवासी ग्राम चिरगुडा पोस्ट पटना थाना व तहसील पटना जिला कोरिया छ.ग. के द्वारा आवेदन कर निवेदन किया गया है आवेदक कि स्वत्य एवं अधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम चिरगुडा में स्थित भूमि खसरा क्रमांक 656 रकबा 0.1000 हे. भूमि है। उक्त प्लाट पर आवेदक के दादी के नाम में त्रुटि हो गया है। गलत नाम मानकुंवर पति स्व० धनसाय के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज दिखा रहा है।जबकि सही नाम मानकली पति स्व० धनसाय है जिसको सुधार करवाने के लिए आवेदक द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत है। उक्त भूमि पर त्रुटि पूर्ण नाम दर्ज हो गया है व नाम है दुलारबाई जो कि मेरे परिवार में इस नाम कि कोई व्यक्ति ही नहीं है इसलिए दुलारबाई के नाम को विलोपित करने हेतु कृपा हो। आवेदक के दादी का नाम हुये त्रुटि से आवेदक को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तथा आवेदक के दादी का नाम को सुधार कर सही नाम मानकली पति स्व० धनसाय दर्ज करवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 24/11/2025 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनाक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 06/11/2025

तहसीलदार पटना,

जिला कोरिया (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांग जिला -जशपुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक:202509031100052

विषयः- अ-2

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सन- 2024-2025

तुरूवाआमा प.ह.न. 00019 [150/16 (0.0690 हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार चुडामणी यादव आ. गोजाधर यादव,

अनावेदक पक्षकार -छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम तुरुवाआमा प.ह.न. 19 तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है आवेदक चूडामणी यादव आ. गोजाधर यादव जाति मकुल निवासी पाकरगाँव तहसील पत्थलगांव जिला- जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम तुरुवाआमा प.ह.न. 19 तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 150/16 रकबा 0.069 है. (690 वर्गमीटर) भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 22.10.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय /स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 22/11/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेषानुसार निराकरण किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/09/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व

पत्थलगांग जिला -जशपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

रा.प्र.क्र. ...../अ-2/2025-26

:-ईश्तहार:-

एतदद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पेन्डरखी को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नरेन्द्र प्रकाश आ. कमल साय जाति रजवार, निवासी ग्राम पेन्डरखी तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम पेन्डरखी, प.ह.नं. 28, रा.नि.मं. केशवनगर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 949/1 रकबा 0.050 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26:11:25. को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 12.11.025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

जिला- सूरजपुर(छ.ग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र........ब/121 वर्ष

ग्राम..........प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजारन सिंह पिता जनसाय जाति गोड़ निवासी ग्राम कुरीडीह प.ह.न. 04 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र अनिश सिंह का जन्म. दिनांक 01.01. 2011 को ग्राम कुरीडीह में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र अनिश सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुरीडीह को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 01/12/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 14/11/025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी भैयाथान

जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका बबीता जैन पत्नी दिनेश कुमार जैन निवासी एम.जी. रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर -03 ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 857/1 रकबा 700 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 53.61 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 49.14 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 35.09 वर्गमीटर पर आवासीय एवं व्यवसायिक भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28/11/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम- प.ह.न.

ईश्तहार

एवद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय नारायण पिता संतलाल जाति गोड़ निवासी ग्राम तरका पहर 02 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री सरोज सिंह आ. विजय नारायण का जन्म दिनांक 03/07/2007 को ग्राम तरका में हुई है। अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री सरोज सिंह आ. विजय नारायण का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत तरका को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 24/11/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10/11/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

भैयाथान

जिला सूरजपुर (छ०ग०)

एसपी सोनभद्र ने पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी व निरीक्षण किया

सोनभद्र। आज दिनांक 21.11.2025 को अभिषेक वर्मा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा परेड ग्राउंड, पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई एवं परेड का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने हेतु समस्त फळउ आरक्षियों एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण से दौड़ लगवाई गई तथा अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त थानों से निरीक्षण हेतु आयी वाहनों, परिवहन शाखा, कैन्टीन, ड्रोन कैमरा, स्टोर रूम, आरटीसी मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कंप्यूटर कक्ष एवं आरटीसी स्कूल का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। सभी इकाइयों को साफ-सफाई, अनुशासन एवं कार्य के प्रति समर्पण बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसी अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा डायल-112 की 16 नई स्कार्पियो गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर पुलिस लाइन चुर्क से रवाना किया गया।* ये सभी वाहन अत्याधुनिक संचार उपकरणों, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, फर्स्ट-रेस्पॉन्स किट तथा आवश्यक सुरक्षा संसाधनों से सुसज्जित हैं। वाहनों को जनपद के विभिन्न थानों एवं महत्वपूर्ण भ्रमणशील बीट्स पर सुपुर्द किया गया है, जिससे इमरजेंसी रिस्पॉन्स समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। इन गाड़ियों के संचालन से न केवल पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों को दुर्घटना, विवाद, महिला सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा अन्य आपात स्थितियों में तेज, सुरक्षित और भरोसेमंद सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

स्पेशल: वर्ल्ड एन्वॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन-डे, 26 नवंबर

बच्चो, हमें स्वस्थ रहने के लिए हमारे पर्यावरण का स्वच्छ रहना बहुत जरूरी है। पर्यावरण यानी एन्वॉयर्नमेंट को प्रोटेक्ट करने के लिए सिर्फ बड़े ही नहीं बच्चे भी प्रयास कर सकते हैं। बच्चे कुछ सावधानियां बरतकर, कुछ छोटे-छोटे काम करके एन्वॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन में कैसे अपना योगदान दे सकते हैं, जानो।

छोटे-छोटे प्रयासों से बनो एन्वॉयर्नमेंट वॉरियर

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, आज दुनियाभर में बड़ों की सबसे बड़ी चिंता है, तुम्हारे लिए यानी नई पीढ़ी के लिए धरती को हरा-भरा रखने की। पानी बचाने के साथ ही साफ-सफाई और हवा को शुद्ध रखने के लिए भी दुनिया के हर कोने में लोग चिंतित हैं। 'वर्ल्ड एन्वॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन-डे' इस फ्रंट पर अवेयरनेस लाने का दिन है। बच्चो, पर्यावरण को सहेजने की इस मुहिम में तुम भी अपनी भागीदारी निभा सकते हो। बहुत से छोटे-छोटे काम करते हुए एन्वॉयर्नमेंट को प्रोटेक्ट करने वाले वॉरियर बन सकते हो।

अपनाओ ईको-कॉन्शस हैबिट्स: बच्चो, ईको-कॉन्शस हैबिट्स पर्यावरण सहेजने से जुड़ी अवेयरनेस वाली आदतें होती हैं। ऐसी आदतें अपनाकर अपनी लाइफस्टाइल को कुछ यूं ढाल लिया जाता है कि हवा, पानी, मिट्टी पर नकारात्मक असर ना हो। अच्छी बात यह है कि इसके लिए अपने डेली रुटीन में कोई बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। छोटे-छोटे कदम उठाते हुए भी एन्वॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन में अपनी भागीदारी निभाई जा सकती है। जैसे अपनी सोसाइटी या कॉलोनी में ईको ग्रुप बनाकर आस-पास पेड़-पौधे लगाना, बाहर नहीं तो घर में ही एक प्लांट की देखभाल करना, कचरा ना फैलाना, खाना जूठा ना छोड़ना, पानी बचाना आदि। ईको कॉन्शस हैबिट्स सीधे-सीधे हवा, पानी और मिट्टी को सहेजने और साफ रखने से जुड़ी हैं। इनसे ही तो हमारा पर्यावरण बना है।

कचरा घटाओ-ऊर्जा बचाओ: बच्चो, वर्ल्ड एन्वॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन-डे पर कचरा घटाने और ऊर्जा बचाने पर विशेष बल दिया जाता है। कचरा कम करना यानी कि स्वच्छ परिवेश और रिसोर्सेज का किफायती इस्तेमाल। वहीं ऊर्जा बचाना यानी बिजली, गैस या ऑयल का सोच-समझकर उपयोग करना। इसके लिए जब इस्तेमाल ना हो रहे हों तो लाइट, पंखे, टीवी और अपने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस को ऑफ करना ना भूलो। बच्चो, किसी भी तरह की एनर्जी प्रोडक्शन के लिए नेचुरल रिसोर्सेज ही यूज किए जाते हैं।

अपनाओ 'थ्री आर' रूल: बच्चो, पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अपने आर्ट एंड क्राफ्ट को भी ईको फ्रेंडली बनाओ। पुराने पेपर्स के साथ भी अपनी कलाकारी दिखाओ। अपनी आर्ट बुक का कोई पेज खराब ना होने दो। इसके लिए 'थ्री आर' रूल अपनाओ। थ्री आर यानी-रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल। मतलब, कागज का कम इस्तेमाल, जितना संभव हो पेपर को दोबारा किसी न किसी काम में लेना और यहां-यहां फेंकने के बजाय इन्हें उचित ढंग से रिसाइकिल करने के लिए भेजना। ऐसा करने से हमारे आस-पास साफ-सफाई रहेगी और प्रदूषण कम होगा। साथ ही धरती की हरियाली भी कायम रहेगी।

चुनो ईको फ्रेंडली सवारी: गाड़ियों से निकलने वाला गरम जहरीला धुआं। डीजल, पेट्रोल, गैस की बढ़ती खपत और इन गाड़ियों से निकलने वाला शोर पर्यावरण को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। बच्चो, यह कितना अजीब है न कि सुबह-शाम पार्क में दौड़ लगाने वाले लोग थोड़ी दूर भी पैदल नहीं चलते। आस-पास जाने के लिए भी गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। तुम तो अभी से ही हेल्थ और एन्वॉयर्नमेंट बिगाड़ने वाली इस आदत से दूर रहो। यूं भी तुम्हारे लिए तो साइकिल सबसे प्यारी सवारी है। आस-पास की किसी शॉप, फ्रेंड के घर, स्कूल या पार्क में खेलने साइकिल से जाओ। साइकिल चलाने से ना तो प्रदूषण होता है और न ही इसमें कोई फ्यूल यूज होता है। साइकिल से तो नॉइज पॉल्यूशन भी नहीं होता। हमारे लिए ईको फ्रेंडली सवारी का चुनाव हर तरह से अच्छा ही होता है। आज के समय में तो साइक्लिंग फिटनेस की एक जरूरी एक्टिविटी भी है। साइक्लिंग के अलावा, पैदल चलना, लिफ्ट के बजाय सीढ़ी चढ़ना जैसी आदतें भी नेचर को बचाने में मददगार बनती हैं। *

कविता / डॉ. करुणा पांडेय

पर्यावरण

आओ बच्चो प्यारे बच्चो!
पर्यावरण को साफ बनाएं।
हर जन को जाग्रत कर दें,
पॉलीथीन को दूर भगाएं।।
नदी ताल और नालों में,
मच्छर कभी पनप न पाएं।
बंजर भू में मेहनत करके,
नए पौध की रेल उगाएं।।
गमलों में बोनसाई बोकर,
बंगला फ्लैट सभी सजाएं।
जल और वायु जीवन अपना,
हर जन तक संदेश पहुंचाएं।।
खूब उगाकर पेड़ जहां में,
मौसम का संतुलन बनाएं।
करें दोस्ती प्रकृति से फिर
पर्यावरण सुंदर बनाएं।।

मम्मी जब नोटबुक के बचे पेजों को इस्तेमाल करने लगीं तो ऋषभ ने उन्हें नई नोटबुक देनी चाही, लेकिन मम्मी ने लेने से मना कर दिया। इसके पीछे उन्होंने जो वजह बताई, सुनकर ऋषभ चौंका। मम्मी ने जो बताया, बच्चो इसकी जानकारी तुम्हें भी होनी चाहिए।

पेड़ और कागज

नॉलेज टॉक

पूजा भारद्वाज

मम्मी आप मेरी पुरानी नोटबुक में कहानी क्यों लिख रही हैं? मैं दूसरी ले आता हूं, मेरे पास रखी हैं नई नोटबुक्स।' आठ साल का ऋषभ अपनी मम्मी को पुरानी नोटबुक में लिखते देखकर बोला।

'नहीं बेटा, मुझे नई नोटबुक नहीं चाहिए। इसी में लिखूंगी मैं।' मम्मी ने नई नोटबुक लेने से इंकार कर दिया। 'लेकिन मम्मी यह तो भरी हुई है।' ऋषभ बोला। 'भरी कहां है? पूरे ग्यारह पेज खाली हैं इसमें। इतने बहुत हैं मेरे लिए।' मम्मी ने नोटबुक के खाली पन्ने दिखाए। ऋषभ बोला, 'लेकिन मम्मी वो बीच-बीच में छोड़े गए पेज हैं।' 'हां तो क्या हुआ, हैं तो पेज ही। लिखने के काम ही आने हैं।' कहकर मम्मी हंसीं। 'लेकिन मम्मी आप ऐसे बचे हुए पन्नों पर क्यों लिख रही हैं?' ऋषभ ने पूछा। 'कुछ पेड़ बचाने के लिए।' मम्मी ने तुरंत जवाब दिया। मम्मी की इस बात पर ऋषभ चौंका, 'पेड़.. वो कैसे बचेंगे?' मम्मी ने नोटबुक एक ओर रखकर उसे अपने पास बैठाया और प्यार से बोलीं, 'तुम्हें मालूम है ये पेज किससे बनते हैं?' ऋषभ ने ना में सिर हिला दिया। 'यह बनते हैं लुगदी से, और लुगदी बनाई जाती है पेड़ की छाल से। कागज का निर्माण पूरी तरह से पेड़-पौधों पर निर्भर होता है, क्योंकि कागज बनाने के लिए कच्चे माल हेतु लकड़ी की लुगदी, कपड़े का टुकड़ा, गेंहू की पुआल या भूसे का प्रयोग किया जाता है।' मम्मी ने पूरी जानकारी दी।

'परंतु पेड़ से ही क्यों बनाते हैं कागज?' ऋषभ ने उत्सुकता से पूछा। 'क्योंकि कागज बनता है सेल्यूलोज से। यह एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो पेड़ की लकड़ी में पाया जाता है।' मम्मी ने जानकारी दी।

'अच्छा..!' ऋषभ को बात समझ में आ रही थी। मम्मी ने आगे भी बताया, 'और हां, कागज सभी पेड़ों से नहीं बनता है। इसे बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले पेड़ हैं- चीड़, मैपल, ओक, सनोबर, बुर्ज, हेमलोक और लार्च आदि। क्योंकि इनकी लकड़ी में सेल्यूलोज अच्छी मात्रा में होता है। एक पेड़ से लगभग 8333 पेज बनते हैं। इस तरह केवल कागज के लिए हर साल दुनिया में चार से आठ अरब पेड़ काटे जाते हैं यानी, हर दिन अमूमन अस्सी हजार पेड़ कटते हैं, तुम्हारी इन कॉपी-किताबों को बनाने के लिए। इसलिए हमें कभी भी कागज को बर्बाद नहीं करना चाहिए। इसका जितना हो सके उतना अधिकतम उपयोग करके ही रद्दी में डालना चाहिए और यह बात तुम्हें भी याद रखनी होगी, क्योंकि मैं अकसर देखती हूं, तुम्हारी कॉपियों में बहुत से खाली पेज रहते हैं फिर भी तुम उन्हें रद्दी में फेंक देते हो। यह बहुत गलत बात है बेटा। फालतू में कागज कभी बर्बाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि पुराने कागजों से दोबारा नया कागज बन सकता है। कॉपी-किताबों को हम जितना बचाएंगे, सही तरीके से उपभोग करेंगे तो कुछ पेड़ों को बचाने में अपना योगदान दे सकेंगे। अब समझे मेरा बचे पन्नों पर लिखने का मतलब?' 'हां मम्मी, बिल्कुल समझ गया।' ऋषभ मुस्कराते हुए बोला। 'तो करो प्रॉमिस कि आगे से एक-एक कागज का मोल समझोगे और इन्हें कभी बर्बाद नहीं करोगे।' मम्मी ने प्रॉमिस के लिए आगे हाथ बढ़ाया।

ऋषभ ने भी मजबूती से अपना हाथ वादा निभाने के लिए मम्मी के हाथ में थमा दिया और दोनों जोर से हंस पड़े। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

हंसाते-गुदगुदाते बाल गीत

बच्चो, तुम्हें ऐसे बालगीत मिल जाएं, जो गुनगुनाने के साथ हंसाएं भी तो तुम्हें जरूर मजा आएगा। ऐसे ही बालगीतों का एक नया संग्रह आया है 'नानी जी की मोरनी।' इसके रचयिता हैं शिवचरण चौहान। इस संग्रह में 26 बालगीत संकलित हैं। संग्रह के सभी बालगीत तुम्हें हंसाएंगे-गुदगुदाएंगे। इनकी राइमिंग इतनी बेहतरीन है कि इन बाल गीतों को पढ़ते हुए तुम इन्हें गाने से खुद को रोक नहीं पाओगे। बच्चो, इस संग्रह में शामिल बाल गीतों में तुमको विषयों की विविधता भी मिलेगी। इस कारण इन्हें पढ़ते हुए रोचकता बनी रहेगी। 'नानी जी की मोरनी', 'चाचा और मामा', 'बागड़ बिल्ला', 'बर्फी या रसगुल्ला' जैसे कई बाल गीत तुम्हें खूब पसंद आएंगे। 'दाऊ और कन्हैया' और 'मूषक और गणेश' पढ़ते हुए तुम्हें 'लिटिल कृष्णा' और 'बाल गणेशा' याद आएंगे। संग्रह में तुम्हारे फेवरेट कॉमिक कैरेक्टर 'चाचा चौधरी' पर भी एक बालगीत मिलेगा, जिसका शीर्षक है, 'मूंछों वाले चाचा।'

बच्चो, इस किताब में ज्यादातर बाल गीतों के साथ मोहक चित्र भी हैं, जो संग्रह की सुंदरता को और बढ़ाते हैं। *

किताब: नानी जी की मोरनी (बाल गीत संग्रह), **लेखक**: शिवचरण चौहान, **मूल्य**: 250 रुपए, **प्रकाशक**: रवीना प्रकाशन, दिल्ली

ठंडी, गर्मी और बारिश तीनों इस बात से दुखी, चिंतित थीं कि असुरक्षित पर्यावरण के कारण तीनों का अस्तित्व खतरे में है। तभी तीनों ने पृथ्वी पर बच्चों को कुछ ऐसा करते देखा कि उनके भीतर नई उम्मीदें जागीं। ठंडी, गर्मी और बारिश ने बच्चों को ऐसा क्या करते देखा

उम्मीद अभी बाकी है

कहानी

उपासना बेहार

ठंडी, गर्मी और बारिश तीनों सखियां मजे से साथ-साथ रहती थीं। इनको चार-चार माह काम पर जाना पड़ता था। तीनों सखी अपने काम को बखूबी निभा रही थीं। जिसका जब समय आता, वह अपने निर्धारित महीने काम पर चली जाती। लेकिन पिछले कुछ सालों से इनके काम पर जाने के समय में गड़बड़ी होने लगी है। गर्मी को ज्यादा समय काम करना पड़ रहा है, जबकि बारिश और ठंड के काम का समय कम हो गया है। कभी-कभी तो यह होता है कि बारिश बेसमय ठंड के और गर्मी के घर जाकर गिर पड़ती है। तीनों इस बदलती हुई परिस्थिति को देख हैरान हैं।

एक दिन ठंड ने गर्मी से कहा, ' सखी, तुम भाग्यशाली हो अब तुम्हारा समय ज्यादा हो गया, लेकिन मेरा और बारिश का समय घट गया है, हमारे समय को भी तुम लेती जा रही हो।' गर्मी गंभीर होकर बोली, 'तुम्हें क्या पता, मैं इस आग उगलते मौसम में कैसे रहती हूं, पूरी झुलस जाती हूं। मैं तो बिल्कुल नहीं चाहती कि ज्यादा समय रहूं, लेकिन इन इंसानों ने अपने स्वार्थ के चलते धरती से बेहिसाब पेड़-पौधे काट डाले हैं। अब भी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। पेड़-पौधों के बिना तो हम तीनों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। यही स्थिति रही तो एक दिन यह पृथ्वी भी नहीं रहेगी।' बारिश बहुत देर से इन दोनों की बातें सुन रही थी, उसके आंख में आंसू आ गए, वह बोली, 'आप दोनों सही बोल रही हैं, पृथ्वी विनाश की और बढ़ रही है। इंसान अपनी विलासिता पर ही केवल ध्यान दे रहा है। पहले पेड़-पौधों को काटकर गर्मी बढ़ा ली। अब गर्मी से बचने के लिए एसी लगा कर वातावरण को और गर्म कर रहे हैं। वो यही नहीं रुके हैं, अब तो शक्तिशाली बम बना रहे हैं, इसका उपयोग कर रहे हैं। इससे भी वातावरण प्रदूषित होता है।' गर्मी दुखी होकर बोली, 'अब कोई आस नहीं बची है, जिस दिशा में इंसान जा रहा है, वो समय ज्यादा दूर नहीं है, जब हम धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे और यह दुनिया भी।'

तीनों सहेलियां अपने आपको असहाय महसूस कर रही थीं। तभी ठंड ने कहा, 'देखो सखी, वो है हमारी उम्मीद की किरण।' गर्मी और बारिश ने उस तरफ देखा। धरती पर बहुत सारे बच्चे पेड़ लगा रहे थे। बारिश ने खुश होकर कहा, 'मैं जाकर उनकी मदद करती हूं। थोड़ा पानी दे देती हूं, जिससे पेड़ अपनी जड़ मिट्टी में जमा लेंगे।' यह कहकर वह बरसने चली गई।

गर्मी भी बोली, 'चलो मैं थोड़ा ताप कम कर देती हूं, जिससे बच्चे आराम से पेड़ लगा सकें।' यह बोलते हुए गर्मी भी चली गई।

ठंड कैसे पीछे रहती उसने सोचा, 'मैं भी हल्की-हल्की हवा चला कर उन बच्चों को प्यार करती हूं।' तीनों सहेलियां नए सिरे से उत्साह से भर गईं। *

कविता

नरेंद्र सिंह नीहार

सर्दी की आहट

चुपके-चुपके हौले-हौले,
माह नवंबर खिड़की खोले,
सर्दी के मौसम की आहट,
बाबू जी अम्मा से बोले।
ठंडी हवा पहाड़ों वाली,
मानो बजा रही हो थाली।
स्वेटर मौजे टोपी पहनो,
आई सर्दी कंबल वाली।
सुबह देर से आता सूरज,
सबके मन को भाता सूरज।
जल्दी-जल्दी शाम ढले,
घर को अपने जाता सूरज
थोड़ी गर्मी थोड़ी सर्दी,
नरम धूप की उजली वर्दी।
दिन भी लगते सरस सुहावन,
खान-पान में मौजा कर दी।
सेहतमंद है सरसों-पालक,
गाजर, मूली खाते बालक।
गजक, रेवड़ी, मूंगफली,
भर-भर जेबें लाते बालक।।

हंसगुल्ले

पिंकी : अगर नदी में नीबू का पेड़ लगा है तो तुम नदी में जाकर नीबू कैसे तोड़ोगी?
मिंकी : चिड़िया बनके।
पिंकी : तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा?
मिंकी : वही जिसने नदी में नीबू का पेड़ लगाया है।

-आशीष, रायपुर

राजू : मम्मी, मुझे कुछ ऐसी चीज खाने को दो, जो कभी खत्म ही न हो।
मम्मी : ये ले बेटा, च्युइंगम खा।

-शोभित, रोहतक

जीके क्विज-180

1. हाल ही में साल 2025 का बुकर लिटरेचर प्राइज किस लेखक को प्रदान किया गया?
2. इन दिनों अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2025 का आयोजन कहां किया जा रहा है?
3. बिहार के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का क्या नाम है?
4. यूनेस्को के रचनात्मक शहर नेटवर्क में शामिल होने वाला भारत का 9वां शहर कौन-सा है?
5. भारत में रेलवे नेटवर्क की शुरुआत का श्रेय किस ब्रिटिश गवर्नर जनरल को जाता है?
6. 'हितोपदेश' के लेखक कौन हैं?
7. रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) नामक बीमारी किस विटामिन की कमी से होती है?
8. पृथ्वी के सबसे निकट का तारा कौन-सा है?
9. मणिपुर की राजधानी कहां है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है?

बच्चो, जीके क्विज-180 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-179 का उत्तर: 1.शेफाली वर्मा, 2.नरेंद्र मोदी, 3.छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन, 4. 20 नवंबर, 5. 14 नवंबर, 6.ऊंट, 7.बिहार, 8.शतरंज, 9.कोलंबो, 10.देवेंद्र फडणवीस

जीके क्विज-179 का सही उत्तर देने वाले: दित्या-रायपुर, कबीर-हिसार, मन्नत-कैथल, शरद-रायगढ़, रमेश-बैकुंठपुर, प्रवीण-रायगढ़, अनूप-रायगढ़, आयुष-ईमेल से, कनक-बिलासपुर, अमन-भोपाल, हर्ष-रोहतक, पूनम-बालोद

छोटी कहानी

सिराज अहमद

फूल, तितली और चींटी

एक बगीचे में एक सुंदर फूल खिला हुआ था। सुबह की धूप में जब तितली वहां आकर बैठी तो फूल मुस्कुरा उठा। लेकिन उसी फूल पर पहले से एक चींटी आराम से लेटी हुई थी। तितली के बैठते ही फूल हल्का-हल्का हिलने लगा, जिससे चींटी की नींद टूट गई। उसे यह अच्छा नहीं लगा। वह गुस्से से बोली, 'तुम किसी और फूल पर जाकर बैठो, यह मेरी जगह है!'

तितली ने जवाब दिया, 'फूल सबके लिए है, तुम्हारे अकेले का नहीं।' इस बात को लेकर दोनों में थोड़ी कहा-सुनी हो गई।

यह देखकर फूल ने धीरे से बोला, 'जब मुझे तुम दोनों के साथ बैठने पर कोई आपत्ति नहीं, तो तुम्हें क्यों है?'

फूल की बात सुनकर चींटी को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने तितली से माफी मांगी। अब दोनों फूल पर साथ बैठ गईं। हवा चली तो फूल झूले-सा झूलने लगा। और दोनों मुस्कुराते हुए उसमें झूलने लगीं। *

अंतर बताओ

बच्चो, पर्यावरण स्वच्छ रहे, इसके लिए सबसे पहले हम अपने घर को साफ-सुथरा रखें। यहां अपने घर की सफाई कर रही लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये आठों अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी आठ अंतर खोजो।

रास्ता खोजो

बच्चो, दिए गए चित्र में कुछ लिटिल एनिमल्स अपनी मां से बिछड़ गए हैं। इनकी मां तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम इन्हें इनकी मां तक पहुंचने का रास्ता बताकर इनकी मदद तो करो जरा।

जिपं सीईओ ने नॉन परफॉर्मिंग जनपदो की बैठक लेकर की गहन समीक्षा

बोले-पीएम आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं अनियमितता नहीं होगी बर्दाश्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत लगातार प्रगति की समीक्षा शासन स्तर से की जा रही है। कलेक्टर एस जयवर्धन एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में निरंतर कार्य किए जा रहे है। उक्त तारतम्य में विगत दो दिनों से जिले के 5 नॉन परफॉर्मिंग जनपद पंचायतों के समस्त अमले का गहन समीक्षा सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में की गई। शुक्रवार को दो पालियों में प्रेमनगर, ओड़गी एवं भैयाथान तथा शनिवार को सूरजपुर एवं प्रतापपुर की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2024-26 के अप्रारम्भ कार्यों को 05 दिसंबर तक प्रारंभ कराते हुए, प्लिंथ की टैगिंग करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त समस्त हितग्राहियों के आवासों को 15 दिसंबर तक पूर्ण करने हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस बीच समस्याग्रस्त जैसे जमीन विवाद, मृत उत्तराधिकारी चिन्हांकन या खाता-आधार परिवर्तन, राशि दुरुपयोग इत्यादि जैसे मामलों को विशेष रूप से संज्ञान लेकर 30 दिसंबर तक क्लियर करते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों की समीक्षा करते हुए, निर्देशित किया है कि इन आवासों को भी 30 दिसंबर तक पूर्ण कर लिए जाए। मनरेगा से मिलने वाली 90 दिन की राशि हितग्राहियों को अविलंब प्राप्त हो जाए। सीईओ जिला पंचायत ने स्पष्ट निर्देश दिए है कि कोई भी पीएम आवास शासकीय जमीन पर नहीं बनने चाहिए, अगर हितग्राही के पास स्वयं के मद की भूमि नहीं है तो राजस्व विभाग से भूमिहीन के प्रमाणन

उपरान्त ग्राम पंचायत नियमानुसार आबादी भूमि प्रदाय कर सकते है। लेकिन कोई भी हितग्राही शासकीय जमीन पर कब्जा करने की नियत से पीएम आवास बनाता है तो तत्काल उस पर पाबन्दी लगाई जाए एवं आवास को स्वयं की भूमि पर ही निर्माण कराया जाए। हितग्राहियों को समय पर तत्काल राशि प्रदाय किया जाए, अगर हितग्राही निश्चित स्तर तक का निर्माण कार्य करा लिए है तो उन्हें अगली किस्त अविलंब मिल जाए। विशेष परियोजना अंतर्गत आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के आवासों को भी दिसंबर मध्य तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वर्तमान समय आवास निर्माण के लिए सबसे अनुकूल है, इसमें अधिकतम आवास पूर्ण हो सकते है। इसके लिए सभी अपने ग्राम पंचायत में स्वीकृत समस्त आवासों को पूर्ण करने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। मिस्त्री, सामग्री एवं ऋण देने की आवश्यकता है तो तत्काल इसकी व्यवस्था बनाई जाए ताकि समय पर आवास पूर्ण हो जाए। प्रशासन से हितग्राहियों को अपील है कि सभी हितग्राही अपना कार्य अविलंब पूर्ण करें, आपको तुरंत आगामी किस्त की राशि प्रदाय की जावेगी। किसी के बहकावे में आकर राशि दूसरों को ना दें, स्वयं से मिस्त्री लेकर आवास को पूर्ण कराइए। किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 9244049285 पर शिकायत दर्ज करवा सकते है। उक्त बैठक में योजना के जिला समन्वयक, आवास समन्वयक, सीईओ जनपद पंचायत, एसडीओ आरईएस, पीओ नरेगा, बीसी आवास योजना, सब इंजीनियर, बीएफटी, तकनीकी सहायक, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र उपस्थित रहें।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान, मतदाता सूची में नवीन फोटो उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी बीएलओ को 04 दिसंबर तक घर-घर जाकर मतदाताओं से विवरण युक्त गणना पत्रक प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि यदि किसी मतदाता का फोटो स्पष्ट न हो या बदल गया हो तथा उसे अपडेट करने की आवश्यकता हो, तो नई फोटो की उपलब्धता पर बूथ स्तर अधिकारी इसे संकलित कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में मतदाताओं को फोटो देने की अनिवार्यता नहीं है, बल्कि केवल उन्हीं मतदाताओं से फोटो ली जाएगी जिनका फोटो बदलने की आवश्यकता होगी या उपलब्ध नहीं है।निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता पहचान को अद्यतन और सुदृढ़ करना अभियान का प्रमुख लक्ष्य है, ताकि आगामी चुनाव प्रक्रिया मजबूत और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बगैर नंबर व लायसेंस के करतब दिखा ट्रेक्टर चलाने वाले पर पुलिस ने की एमव्ही एक्ट की कार्रवाई, वसूले 8 हजार समन शुल्क

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने, सुरक्षात्मक उपाए सुनिश्चित कराने एवं यातायात नियमों के प्रति लापरवाही पर सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए है जिसके परिपालन में पुलिस द्वारा लगातार यातायात नियमों के उल्लघंन पर कार्यवाही की जा रही है। शनिवार को थाना प्रतापपुर पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के एक ट्रेक्टर को लहराकर चलाते देख वाहन को रोकवाया। बिना नंबर के ट्रेक्टर जिसका नंबर सीजी 29 एई 8346 है उसके चालक अनिश पैंकरा उम्र करंजवार थाना प्रतापपुर से ड्राईविंग लायसेंस की मांग करने पर लायसेंस नहीं होना बताया जो परमिट शर्तो का उल्लघन करने पर एमव्ही एक्ट की धारा 66/192 (ए-1सी), 3/181, 39/192 (1) (बी) के तहत कार्यवाही कर 8 हजार रूपये का समन शुल्क लिया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो ने अपील किया है कि परमिट शर्तो का उल्लघंन न किया जाए, केवल ड्राईविंग लायसेंस धारकों से ही वाहन चलवाए, वाहन में आगे-पीछे नंबर प्लेट लगे हालत में ही वाहन सड़क पर चले यह सुनिश्चित की जाए और यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहे, नियमों के उल्लघंन पर सख्ती से कार्यवाही की जायेगी।

निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने 650 चिन्हांकितो को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन के निर्देशानुसार यहां जनपद पंचायत परिसर में शुक्रवार को आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के अंतर्गत विशेष निपटान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का संचालन लीड बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हरिनारायण खोटेल तथा भारतीय रिजर्व बैंक से अविनाश टोप्पो सहित विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंक तथा एलआईसी के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य निष्क्रिय खातों की पहचान कर उनका पुन केवाईसी कर सक्रियण के माध्यम से उपयोग में लाना, ताकि आम नागरिकों को उनकी पूंजी का अधिकार मिल सके और वित्तीय समावेश को सुदृढ़ करने तथा बैंकिंग प्रणाली में लोगों का विश्वास बढ़ सके।

शिविर में कुल 100.65 लाख राशि का सफल निपटान किया गया। इसके साथ ही 650 निष्क्रिय खातों को केवाईसी के लिए चिन्हित किया गया, जिनमें लगभग 1750 लाख की राशि शामिल है। इस दौरान बैंक के अधिकारियों के द्वारा शिविर स्थल पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने

स्पष्ट किया कि आगामी समय में ऐसे शिविरों का नियमित आयोजन कर आम नागरिकों को वित्तीय समावेश की मुख्य धारा से जोड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर बल दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह कहा कि यह पहल बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाने और जनभागीदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी सहभागी संस्थाओं एवं जिला प्रशासन के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

जिले में पुर्णता की ओर मतदाताओं को गणना पत्रक वितरण का कार्य

प्रेमनगर, भटगांव और प्रतापपुर क्षेत्रों में तैनात है 889 बीएलओ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य गतिमान है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवंबर से प्रारंभ इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना पत्रक वितरित करने का कार्य किया जा रहा है।जिले के प्रेमनगर, भटगांव और प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्रों में कुल 889 बीएलओ तैनात हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 7,40,212 मतदाताओं में से 7,33,678 मतदाताओं को गणना पत्रक वितरित किया जा चुका है, जो 98.98 प्रतिशत उपलब्धि है। इनमें से 2,35,552 गणना पत्रक मतदाताओं द्वारा

जमा किए जा चुके हैं, जिनकी ऑनलाइन प्रविष्टि बीएलओ द्वारा कर दी गई है। यह कुल मतदाताओं का 31.82 प्रतिशत है। नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।सभी तहसीलों में विशेष शिविर आयोजित कर गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य निरंतर जारी है।बीएलओ द्वारा जमा किए गए प्रत्येक गणना पत्रक की ऑनलाइन प्रविष्टि की जा रही है, ताकि मतदाता सूची अद्यतन कार्य समय पर व शत-प्रतिशत सटीकता के साथ पूर्ण हो सके।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से आग्रह किया है कि वे प्राप्त गणना पत्रकों को सही-सही भरकर समय पर जमा करें, जिससे मतदाता सूची के अद्यतन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

शराबी पति ने पत्नी की हत्या कर कुएं में फेंका शव, आरोपी फरार

0 तीन बच्चों के सिर से उठा माँ का साया 0 नवाटोला के माझापारा में हुई हत्या की वारदात

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के दुरस्थ अंचल चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र में एक शराबी पति ने डंडे व पत्थर से प्रहार कर पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी है। आरोपी ने साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से पत्नी के शव को अपने ही घर के कुएं में फेंक कर उपर से पैरा ढक दिया था। हत्या की यह वारदात बीती रात नवाटोला माझापारा में हुई है। मृतिका तीन बच्चों की माँ थी।

बताया गया है कि चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नवाटोला माझापारा का रहने वाला अशोक रजक अपनी पत्नी देवकुमारी से आए दिन शराब के नसे में विवाद करता था। बीती रात भी शराब के नशे में युवक का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान युवक ने घर में रखे बांस के डंडे और मसाला पिसने के लिए उपयोग किए जाने वाले पत्थर से अपनी पत्नी पर प्रहार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद शव को अपने घर के पीछे स्थित कुएं में डाल कर उपर से पैरा ढंक दिया। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान उसके छोटे बेटे ने बीच बचाव का प्रयास किया परंतु शराब के नशे में मदहोश अशोक ने उसे भी मारने की कोशिश की। बच्चे ने भागकर अपनी जान बचाई और डरे सहमें बच्चे ने घटना की जानकारी अपने बड़े भाई को दी। शनिवार की सुबह मृतिका के बड़े पुत्र ने परिजनों के साथ मिलकर अपनी मां देवकुमारी की पतासाजी करने लगा। इसी दौरान घर के कुएं में झांककर देखा तो पुआल के नीचे शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और मौके पर एफ एस एल टीम बुलाई गई। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति अशोक फरार बताया जा रहा है जिसकी पुलिस पतासाजी कर रही है। शराब के नशे में हुई हत्या की इस वारदात से तीन बच्चों के सिर से माँ का साया उठ गया है। माँ को खोने के बाद बच्चो का रो रो कर बुरा हाल है।

अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता कुसमुंडा को मिला विजेता का खिताब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के दशहरा प्रांगण स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय अंतर क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता कुसमुंडा क्षेत्र ने जीत ली है।शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में कुसमुंडा की टीम ने दीपका को 30 के मुकाबले 57 अंकों से पराजित कर प्रतियोगिता अपने नाम कर ली।समापन समारोह के मुख्य अतिथि निदेशक मानव संसाधन एसईसीएल बिरंची दास कार्यक्रम में किन्हीं कारणों से शामिल नहीं हो पाए तो उनकी जगह क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाप्रबंधक संचालन जीके राय ने की। प्रतियोगिता में एसईसीएल के अलग अलग क्षेत्रों की कुल 16 टीमें शामिल हुईं, जिसमें लीग मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाली चार टीमें दीपका, सोहागपुर, गेवरा और कुसमुंडा ने सेमीफाइनल में जगह बनाया। पहले सेमीफाइनल में दीपका ने सोहागपुर को 26 के मुकाबले 41 अंकों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में कुसमुंडा ने गेवरा

को 52 के मुकाबले 24 अंकों से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। शनिवार को दीपका और कुसमुंडा के बीच फाइनल मैच संपन्न हुआ, जिसमें दीपका 30 अंक जबकि कुसमुंडा ने 57 अंक हासिल कर लंबे अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने कहा कि टीम भावना खेल के साथ कार्य में भी होनी चाहिए, तभी बेहतर प्रदर्शन संभव है। उन्होंने कहा कि यहां पहुंची सभी टीमों ने बेहतर खेल कौशल का प्रदर्शन पिछले तीन दिनों में किया, जीत हार जीवन का हिस्सा है। हार से निराश न होकर पूरे तन मन से आगे के लिए हमें प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि नाम के बजाए काम पर फोकस होना चाहिए, तभी सफलता मिलेगी। उन्होंने सभी अतिथियों को शॉल, श्रीफल भेंटकर सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में स्वागत प्रतिवेदन महाप्रबंधक संचालन जीके राय ने प्रस्तुत किया।अतिथियों के हाथों दोनों टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक मानव संसाधन हरेंद्र तिवारी और अमन कश्यप ने संयुक्त रूप से किया। यहां पर फाइनल मुकाबले की विजेता कुसमुंडा टीम को विजेता की ट्राफी व दीपक टीम को उपविजेता की ट्रॉफी अतिथियों ने सौंपा। प्रतियोगिता में बेस्ट कैचर गेवरा टीम के जयराम रहे।बेस्ट रेडर कुसमुंडा टीम के जयंत कुमार रहे, जबकि मैन ऑफ दी सीरीज दीपका के साहिल कुमार रहे। आयोजन में कंपनी संचालन समिति सदस्य नाथूलाल पांडेय, सुजीत सिंह, अजय विश्वकर्मा, गोपाल नारायण सिंह, वीएम मनिहारी, बजरंगी शाही, राजेश शर्मा, अमृत लाल विश्वकर्मा, सुरक्षा समिति सदस्य एसईसीएल संजय सिंह सहित सीएमओआई के पदाधिकारी सहित क्षेत्रीय कल्याण समिति, स्थानीय यूनियन के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जल,जंगल,जमीन से जनजातीय समाज का रहा है गहरा सम्बन्ध : चंद्रवंशी

0 जनजाति गौरव दिवस पर महाविद्यालय में हुई कार्यशाला
0 छात्र छत्राओ ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमो की रंगारंग प्रस्तुति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। यहां के शासकीय नवीन महाविद्यालय में जनजाति गौरव दिवस पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जनजातीय इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला की थीम जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम बेगारीडीह के सरपंच व भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवप्रसाद सिंह और मुख्य वक्ता रिहंद पार्क परिक्षेत्र अधिकारी जितेंद्र कुमार चंद्रवंशी रहे। दोनों का स्वागत पारंपरिक आदिवासी विधि से किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी, बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, रानी दुर्गावती सहित जनजातीय वीरों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा महामंत्री बी.पी. जायसवाल, रामनारायण यादव, वरिष्ठ कार्यकर्ता गंजनन अग्रहरि, पूर्व सरपंच लालू पुरी, उपेंद्र अग्रहरि और जनभागीदारी अध्यक्ष कालीचरण काशी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता चंद्रवंशी ने आदिवासी समाज की भाषा, बोली, नृत्य, गीत-संगीत, खान-पान, रहन-सहन और उनके संघर्षों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का जल, जंगल, जमीन से गहरा संबंध रहा है और उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अन्य अतिथियों ने बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह और रानी दुर्गावती के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने अपने अधिकारों और संस्कृति को बचाने के लिए सदियों से संघर्ष किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य रंजीत कुमार सत्पुरिया ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा दिया गया है। छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति को पाठ्यक्रम में शामिल करने से विद्यार्थियों में जागरूकता व स्वाभिमान बढ़ेगा। इस दौरान विद्यार्थियों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य, गीत और सरगुजा अंचल की लोक-शैली की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थितों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक सहायक प्राध्यापक आभा रंजन कुजूर और सह-संयोजक सचिन मिंज ने किया। आयोजन को सफल बनाने में पिंटू कुमार, रामनिवास पटेल, रीना कुजूर, आभा कुजूर, अर्जुन प्रधान, शिखा दुबे, हरिशंकर, अनदीप मिंज और एनएसएस के स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता का सम्मान जनभागीदारी अध्यक्ष और प्राचार्य द्वारा शाल व श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही और सभी ने जनजातीय इतिहास व संस्कृति को समझने का लाभ उठाया।

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु हुई समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले में शिक्षा गुणवत्ता में विशेषकर कक्षा10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परीक्षा परिणाम हेतु पीएमश्री सेजेस नवापारा, जिले के समस्त सेजेस के प्राचार्यो एवं प्रत्येक सेजेस विद्यालय से 02 वरिष्ठ व्याख्याताओं का जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के द्वारा बैठक लिया गया। बैठक में डी.एम.सी. मनोज साहू, ए.डी.पी.ओ.रविन्द्र प्रताप सिंहदेव, दिनेश द्विवेदी, नोडल प्राचार्य पी.सी. सोनी, शा.क.उ.मा.वि. बिश्रामपुर, प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य भी शामिल रहे। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु विस्तृत समीक्षा की गई एवं शत-प्रतिशत प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात् छात्र छात्राओं व शिक्षकों से कक्षा में जाकर संवाद करते हुए विद्यालय में शत-प्रतिशत उपस्थिति एवं परीक्षा हेतु बचे हुए दिनों में गहन अध्ययन अध्यापन हेतु निर्देशित किया गया। द्वितीय पाली में डी.एम.सी. मनोज साहू के द्वारा पीएमश्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यो से विद्यालय में चलने वाले विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा किया गया एवं निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कमिश्नर ने 700 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन करने पर बीएलओ को दी शाबाशी

जशपुर जिले के दुलदुला क्षेत्र के मतदान केन्द्र का औचक निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शनिवार को जशपुर जिले के दुलदुला तहसील के मतदान केंद्र सीरिमकेला मकरी बंधा एक एवं दो का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने ऐप में किए जा रहे डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी ली और गणना पत्रक को सही तरीके से भरकर शीघ्र प्राप्त कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रतिदिन 100 फार्म के दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा ताकि मतदाता का एसआईआर कार्य समय पर पूरा किया जा सके। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ, अविहित अधिकारी, सुपरवाइजर सभी उपस्थित थे। उन्होंने मकरीबंधा एक के बीएलओ हीरा तंजन के कार्य की सराहना की। उक्त बीएलओ के द्वारा 700 मतदाताओं का लगभग 83 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

एसआईआर के कार्यों को गंभीरता से करने के दिए निर्देश

कमिश्नर ने शुक्रवार को जशपुर जिले का भ्रमण करने के दौरान विधानसभा क्षेत्र 12 जशपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 295, 296 घोलेंग एवं 256 गिरांग में चल रहे एसआईआर कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने सभी बीएलओ को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने ऐप में किए जा रहे डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी ली और गणना पत्रक को सही तरीके से भरकर शीघ्र प्राप्त कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रतिदिन 100 फार्म के दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए कहा ताकि मतदाताओं का एसआईआर कार्य समय पर पूरा किया जा सके। निरीक्षण दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ, अविहित अधिकारी, सुपरवाइजर उपस्थित मिले।

दुलदुला में धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण

सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शनिवार को जशपुर जिले के दुलदुला धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया और धान खरीदी व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र में नए और पुराने बारदाने की उपलब्धता की जानकारी ली, साथ ही किसानों का समय पर टोकन काटने और खरीदी केन्द्रों में सभी मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने धान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की भी अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला
क्रमांक- 202511020700051
विषय-व-121
मामले की श्रेणी. राजस्व
सन-2025-2026
भिटठीकला प.ह.न.
00031 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार उर्मिला पाण्डेय, अनावेदक पक्षकार -छ0ग0 शासन
ईश्तहार

आवेदक उर्मिला पाण्डेय पति कृष्णा पाण्डेय निवासी स्कूलपारा बावरा आफिस के पास गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भिटठीकला स्थित भूमि खसरा नंबर 1169/5 रकबा 0.020 है0 भूमि के ऋृण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/11/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार तुहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय के पीछे ठेले के आड़ में अवैध हाथ भट्ठी शराब का गोरखधंधा

आबकारी की टीम ने 11 लीटर शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। न्यायालय के पीछे ठेले के आड़ में अवैध शराब की बिक्री की सूचना पर आबकारी वृत अंबिकापुर ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी और ठेला संचालक के पास से 11 लीटर महुआ शराब जप्त किया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क, 34(2), एवं 59-क के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाली थाना अंतर्गत न्यायालय के पीछे

शौचालय के सामने ठेले में राजेंद्र सिंह पिता सोहन सिंह 58 वर्ष निवासी केदारपुर के द्वारा अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब की बिक्री करने की सूचना 22 नवम्बर को आबकारी वृत अंबिकापुर के उपनिरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता को मुखबिर से मिली थी। अवैध नशीले पदार्थ के कारोबार की खबर पर वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपी के पास से 11 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद किया। गैर जमानतीय अपराध होने के कारण आरोपी के विरुद्ध प्रकरण कायम कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया। बता दें कि आबकारी आयुक्त आर. संगीता व सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी एल.के. गायकवाड़ के मार्गदर्शन में आबकारी वृत अंबिकापुर के द्वारा अवैध शराब के विक्रेताओं पर नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में मुखबिर से मिली सूचना पर उप निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उक्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई में मुख्य आरक्षक अयोध्या प्रसाद, गंभीर साय, महिला नगर सैनिक गीता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

राष्ट्रपति को ब्रह्माकुमारी परिवार ने भेंट किया ईश्वरीय सौगात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजातीय गौरव दिवस के समापन समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से ब्रह्माकुमारी विद्या ने मुलाकात करके उन्हें ईश्वरीय सौगात एवं पुष्प गुच्छ भेंट किया, इसे उन्होंने अति स्नेह एवं सरलता से स्वीकार किया और ब्रम्हकुमारी

बहनों का कुशलक्षेम पूछा। इस दौरान ब्रह्माकुमारी पुष्पा, पार्वती एवं ब्रह्मा कुमार खिलानंद उपस्थित थे।

सब्जी बाजार के पास से मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर सब्जी बाजार के पास से सब्जी विक्रेता का मोटरसायकल अज्ञात लोगों ने पार कर दिया। ग्राम डिगमा निवासी सतीश कुमार गुप्ता पिता मथुरा प्रसाद, 42 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 20 नवम्बर को शाम 7 बजे के आसपास वह गांधीनगर सब्जी मार्केट के पास अपनी मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीसी 9776 को खड़ा किया था और सब्जी लेने के लिए बाजार के अंदर चले गया।

मेडिकल कॉलेज के टॉयलेट में हो गया था प्रसव, प्री मैच्योर बच्चे की हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में टॉयलेट में प्रसव के बाद पांच दिनों तक वेंटिलेटर में रखे गए नवजात की अंततः मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार नवजात प्री मैच्योर था। उसके जैविक अंग अविकसित थे। ऐसे में उसे बचाना काफी मुश्किल था। प्रसूता करीब 7 माह की प्रेग्नेंट थी। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के प्रतापपुर निवासी रामपति बाई पति सूरज सात को राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एमसीएच में भर्ती कराया गया था। वह 7 माह की प्रेग्नेंट थी। उसे प्रसव पीड़ा होने लगी थी। प्रसव की तिथि से दो माह पूर्व प्रसव पीड़ा होने के कारण उसका इलाज किया जा रहा था। 15 नवम्बर की सुबह 10.30 बजे रामपति बाथरूम गई थी और उसके बाद वापस वार्ड में आकर सो गई थी। आधे घंटे बाद महिला को एहसास हुआ कि उसका पेट खाली है, जिसके बाद उसने शोर मचाया तो हड़कंप मच गया। इस दौरान अस्पताल के सफाईकर्मियों ने बाथरूम के सेप्टिक सीट की जांच की तो नवजात सेप्टिक सीट के मुर्गा में फंसा हुआ था। स्वास्थ्य कर्मियों ने उसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया था। बच्चे को अस्पताल के स्हृष्ट के वेंटिलेटर पर रखा गया था और चिकित्सक उसका उपचार कर रहे थे। वह लगभग एक घंटे तक सेप्टिक सीट में फंसा रहा, जिसके बाद भी वह चमत्कारिक रूप से जीवित था। चिकित्सकों के उपचार से दो दिनों बाद बच्चे की हालत में सुधार हुआ, जिसके बाद उसे वेंटिलेटर से बाहर निकाल लिया गया था लेकिन बाद में फिर से उसकी तबीयत बिगड़ गई तो उसे वेंटिलेटर में रखकर उसका उपचार किया जा रहा था। उपचार के दौरान नवजात जिंदगी की जंग हार गया। बच्चे की मौत के बाद उसका शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

प्री मैच्योर था बच्चा, इसलिए नहीं बचा सके-CS

सिविल सर्जन व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जेके रेलवानी ने बताया कि बच्चा प्री मैच्योर था। इसके साथ ही उसके जैविक अंग पूर्णतः अविकसित थे। ऐसे बच्चों के बचने की संभावना कम रहती है। हमने अपनी ओर से प्रयास किया था, वह कुछ दिनों तक ठीक भी था, लेकिन हम उसे नहीं बचा सके।

कीटनाशक का सेवन करने से अधेड़ की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ब्लडप्रेशर से पीड़ित ने शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम सिधमा निवासी धोबी पैकरा पिता स्व. घूरन पैकरा 51 वर्ष बीते 19 नवम्बर को कीटनाशक का सेवन कर लिया था। स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था। ब्लडप्रेश का मरीज होने के कारण स्वजन उसे हमेशा शराब पीने से मना करते थे, लेकिन वह नहीं मानता था। बहरहाल पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के षव का पोस्टमार्टम कराया है।

बाइक से गिरकर घायल हुए वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के रमकोला थाना क्षेत्र का रनसाय पिता स्व. सीताराम 79 वर्ष, चलती बाइक से गिरकर घायल हो गया। मृतक के पुत्र गोविंद ने पुलिस ने बताया कि उसके पिता पड़ोस में रहने वाले शेरू गोड़ के साथ 21 नवम्बर को मोटरसायकल में प्रतापपुर बाजार गए थे। बाजार से खरीददारी करके वापस लौटते समय ग्राम मड़वार के पास पीछे बैठे उसके पिता अनियंत्रित होकर गिर गए, जिसमें उन्हें चोट आई थी। उन्हें प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

फुटपाथ पर गुजारा करने वालों को ठंड से बचाने अनुकरणीय पहल

युवा पार्षद एवं उनके साथी मुहिम चलाकर कर रहे कपड़ों का वितरण

अंबिकापुर। शहर में आज भी एक तबका ऐसा है, जिन्हें दो टाइम का भोजन प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इनके पास सिर छिपाने की जगह तक नहीं रहती है। जहां जगह मिली, वहीं ठिकाना बनाकर सोते-जागते ये दिन-रात गुजार लेते हैं। फुटपाथ, रैन बसेरा और दुकानों के सामने रात में ये सोते मिल जाएंगे। दिन में दुकानों के खुलने के बाद भटकने की नौबत बनती है। गर्मी और बरसात के दिनों में भी ये काफी कष्टकर जीवन गुजारते हैं। ठंड के दिनों में रात काटना मुश्किल हो जाता है। जिनका पेट भरना बमुश्किल होता हो, वे ठंड से बचने के लिए कहां से गर्म कपड़ों की व्यवस्था करेंगे। इसे दूर करने का बीड़ा पिछले 8 वर्षों से शुभम जायसवाल व उनके साथियों राहुल सोनी, अतुल ताम्रकार, रवि सिंह, वंश, साहिल, अभिजीत, अनिकेत, अभिज्ञ, निखिल सिंह, समीर, सुशील, पीयूष ने उठाया है। इन युवाओं के द्वारा शहर में घूम-घूमकर खुले में फुटपाथ सहित अन्य स्थल को पड़ाव बनाए लोगों की सुध ली जा रही है, और इन्हें ठंड से निजात मिले, इसके लिए गर्म कपड़ों का वितरण किया जा रहा है। इस दौरान कई ऐसे लोगों से इनका सामना होता है, जिनके साथ छोटे बच्चे भी रहते हैं। इन्हें राहत दिलाने के लिए किए जा रहे अनुकरणीय कार्य को आम लोगों की सराहना भी मिल रही है। इनके कार्य से यह भी संदेश मिल रहा है कि समक्ष लोगों को ऐसे लोगों की सुध लेने आगे आना चाहिए। बता दें कि शुभम जायसवाल वर्तमान में नगर पालिक निगम अंबिकापुर में पार्षद हैं, पूर्व से इनकी पहचान युवा कांग्रेस नेता की रही है। उन्होंने बताया कि यह मुहिम पूरे ठंड भर वे अपने साथियों के साथ मिलकर चलाते आ रहे हैं।

मौसम को प्रभावित करने वाले दो महत्वपूर्ण कारक अल-नीनो और ला-नीना-ए.एम. भट्ट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वैश्विक जलवायु और मौसम को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों में उष्ण कटिबंधीय प्रशांत महासागर में जन्म लेने वाले दो कारक अक्सर चर्चा में रहते हैं। ये दो कारक हैं 'अल-नीनो' और 'ला-नीना'। ये दोनों स्पेनिश भाषा के शब्द हैं। अल-नीनो का हिंदी अर्थ छोटा बच्चा या छोटा लड़का है जबकि ला-नीना का अर्थ होता है छोटी बच्ची या छोटी लड़की। माना जाता है कि मौसम के इस कारक का नाम अल-नीनो मछुआरों और समुद्री नाविकों का दिया हुआ है। वास्तव में समुद्री मछुआरे और नाविक अपने लंबे सामुद्रिक अनुभवों से समुद्र की अवस्थाओं में होने वाले बदलाव और आगे उनके प्रभाव की बहुत अच्छी समझ रखते थे। भले ही आधुनिक मौसम विज्ञान की प्रगति से अब इस प्रकार के मौसमी तत्वों का वैज्ञानिक अध्ययन और विश्लेषण होता है परंतु 18वीं-19वीं शताब्दियों के दौरान इन कारकों की व्याख्या अनुभवों पर ही आधारित हुआ करती थी। दक्षिण अमेरिका के पैसेफिक ओसन अर्थात प्रशांत महासागर में विचरण करने वाले मछुआरों ने अनुभव किया कि क्रिसमस के आसपास या उसके बाद समुद्री तापमान में अचानक बदलाव आता है, जिससे एक बड़े समुद्री पिंड में तीव्र तापान्तर उत्पन्न होता है। जब भी समुद्री सतह पर इस प्रकार अनियमित तापान्तर उत्पन्न होता है तब इसका प्रभाव अगले कई महीनों तक वहां के जलवायु को प्रभावित करता है। दिसम्बर में क्रिसमस के आसपास जन्म लेने वाले इस मौसमी कारक को उन लोगों ने ही पहली बार ईसा मसीह के बालक रूप को ध्यान में रखते हुए इसे 'अल-नीनो' अर्थात 'शिशु क्राइस्ट' या 'यीशु का बालक' का सम्बोधन प्रदान किया था। वहीं अल-नीनो के विपरीत गुणधर्म वाले कारक को 'ला-नीना' कहा गया।

पीरू धारा (हम्बोल्ट धारा) अल-नीनो का सहायक

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में स्थित पीरुवीयन सागर के तटीय देश पेरू तथा इक्वाडोर के पश्चिमी हिस्सों में सामान्य अवस्था में दक्षिण से उत्तर की ओर ठंडी सागरीय हवाएं प्रवाहित होती रहती हैं। इन ठंडी समुद्री हवाओं को पीरू धारा या हम्बोल्ट धारा कहा जाता है। कभी-कभी इस क्षेत्र के उष्ण कटिबंधीय प्रशांत महासागर के गर्भ में गुरुत्वीय प्रभाव मानें या भू-गर्भ संचित उष्मा का रिसाव कहें जिसके कारण दिसम्बर के अंत के समय अचानक आंतरिक समुद्री उष्मा के प्रवाहित होने से समुद्री जल के तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जाती है। इस समय समुद्री सतही जल का तापमान सामान्य औसत से 5 से 6 डिग्री तक ऊपर चला जाता है। अचानक हुए तापान्तर के कारण यहां के वायुमंडल के गर्म हो जाने से ऊपर उठ कर समुद्री सतह पर निम्न वायुदाब उत्पन्न करती है, जिससे वायु प्रवाह अनियमित होने से हम्बोल्ट धारा एकदम से विपरीत हो जाती है और सामान्य रूप से दक्षिण से उत्तर की ओर चलने वाली हवा अब उत्तर से दक्षिण की ओर चलने लगती है। वायुमंडलीय दशाओं में आए इस परिवर्तन को ही अल-नीनो कहा गया है। अर्थात अल-नीनो की उत्पत्ति समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण उस समुद्री क्षेत्र पर बने गर्म वृहत वायु पिंड के कारण होता है।

ला नीना क्या है?

भूमध्य रेखीय प्रशांत महासागर क्षेत्र के सतह पर निम्न हवा का दबाव होने पर ये स्थिति पैदा होती है। इसकी उत्पत्ति के अलग-अलग कारण माने जाते हैं लेकिन सबसे प्रचलित कारण यह तब पैदा होता है, जब ट्रेड विंड, पूर्व से बहने वाली हवा काफी तेज गति से बहती हैं। इससे समुद्री सतह का तापमान काफी कम हो जाता है। इसका सीधा असर दुनियाभर के तापमान पर होता है और तापमान औसत से अधिक ठंडा हो जाता है।

ला नीना का मौसम पर असर

ला-नीना का चक्रवात पर भी असर होता है। ये अपनी गति के साथ उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की दिशा को बदल सकती है। उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में बहुत अधिक नमी वाली स्थिति उत्पन्न होती है। इससे इंडोनेशिया और आसपास के इलाकों में काफी बारिश हो सकती है। वहीं ईक्वाडोर और पेरू में सूखे जैसे हालात बन जाते हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ आने के आसार होते हैं। ला-नीना से आमतौर पर उत्तर-पश्चिम में मौसम ठंडा और दक्षिण-पूर्व में मौसम गर्म होता है। भारत में इस दौरान भयंकर ठंड पड़ती है और बारिश भी ठीक-ठाक होती है।

निम्न वायुदाब क्षेत्र 22 नबम्बर को हुआ विकसित

मल्लका जलडमरू मध्य और आसपास के दक्षिण अंडमान सागर क्षेत्र पर एक निम्न वायुदाब क्षेत्र 22 नबम्बर की सुबह विकसित हुआ है जो पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा में अग्रसर है। संभावना है कि यह आगे बढ़ते हुए निम्न वायुदाब क्षेत्र पूर्वी बंगाल की खाड़ी में पहुंच कर में आगामी 24 नबम्बर तक एक अवदाब के रूप में विकसित हो जाएगा। 26 तारीख के आसपास यह तीव्र होकर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में भारतीय भू-भाग के नजदीक पहुंच जाएगा। फिलहाल इस मौसम प्रणाली से तमिलनाडु और कर्नाटक में व्यापक वर्षा का अनुमान है।

मौसम एजेंसियों के अलग-अलग दावे

इधर ला-नीना को लेकर दो राय सामने आ रही है, अमेरिकी मौसम एजेंसी और भारतीय मौसम विभाग के अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। अमेरिकी मौसम एजेंसी सीपीसी के अनुसार ला नीना शुरू हो चुका है जबकि आईएमडी सहित आस्ट्रेलिया की बीओएम और मध्य एशिया पैसेफिक की एपीसीसी जैसी मौसम एजेंसियां कह रही हैं कि ला नीना अभी प्रभावी नहीं हुआ है, लेकिन जल्द आएगा। आईएमडी का कहना है कि अभी एल नीनो का दक्षिणी दोलन फेज की स्थिति न्यूट्रल बनी हुई है और ला नीना आने वाले महीनों में विकसित होगा। ला नीना का सीधा असर बारिश, सर्दियों, चक्रवातों और वैश्विक मौसम पैटर्न पर पड़ता है। अनुमान है कि ला-नीना दिसंबर 2025 के आसपास शुरू होगा और मार्च 2026 तक खत्म हो जाएगा।

भारत के लिए ला नीना के मायने

भारत में इस समय उत्तर-पूर्व मानसून सक्रिय है, जो तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और दक्षिणी कर्नाटक के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। आईएमडी का संकेत है कि निगेटिव आईओडी के साथ विकसित होता ला-नीना, दोनों मिलकर दक्षिण भारत में बारिश बढ़ा सकते हैं। इसलिए तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीप में नवंबर-दिसंबर के दौरान बारिश पर इसका असर दिख सकता है। ताजा रिपोर्टों में पता चला है कि मध्य और पूर्वी प्रशांत में तापमान तेजी से नीचे जा रहा है। पश्चिमी प्रशांत भी धीरे-धीरे ठंडा हो रहा है। इंडोनेशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में बादल और बारिश बढ़ी है। डेटलाइन के आस-पास बारिश कम हुई है और इन संकेतों से पता चलता है कि ला-नीना काफी करीब है। आईएमडी ने बताया कि इस समय मैडेन जूलियन दोलन (एमजेओ) फेज 6 में है और जल्द ही फेज 7 में जाएगा। यह बदलाव अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और दक्षिण भारत की बारिश पर बड़ा असर डाल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर